लखनऊ

गुरुवार, 28 अगस्त, 2025

वर्ष : 11 | अंक: 48

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

कल किसने देखा है तो आज भी खोए क्यों, जिन घड़ियों में हंस सकते हैं, उन घड़ियों में रोए क्यों?

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

युवक पर पहिया चढ़ने के बाद भी नहीं रोकी कार, मौके पर ही हुई दर्दनाक मौत

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मधुबन बापूधाम थानाक्षेत्र में इंसानियत को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई, जहां एक तेज रफ्तार बेकाबू कार ने सड़क पर चल रहे एक मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक को बेरहमी से कुचल दिया। दिल दहलाने वाली इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और देर रात गाड़ी के नंबर के आधार पर आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, यह घटना सोमवार दोपहर करीब एक बजे संजयनगर सेक्टर-23 स्थित फॉर्च्यून होटल के सामने घटी। लगभग 35 वर्षीय एक मानसिक विक्षिप्त युवक सड़क के डिवाइडर पर बैठा हुआ था। अचानक वह डिवाइडर से उठकर सड़क की ओर चलने लगा, तभी तेज गति से आ रही एक कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हैरत की बात यह है कि युवक पर गाड़ी का अगला पहिया चढ़ने के बाद भी चालक ने कार नहीं रोकी और उसे रौंदते हुए मौके से फरार हो गया, जिससे युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटनास्थल पर मौजूद किसी राहगीर ने इस पूरी वारदात को अपने मोबाइल फोन में कैद कर लिया और सोशल मीडिया पर डाल दिया, जिसके बाद यह वीडियो तेजी से वायरल हो गया। वीडियो में कार का नंबर साफ दिखाई दे रहा था। इसी वीडियो के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की और देर रात आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया।

भारत ने पाक को फिर दिखाया बड़ा दिल, तवी नदी पर उफान के बीच मानवीय आधार पर एक बार फिर भेजा अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग ने बुधवार को पाकिस्तान को कई नदियों में अतिरिक्त पानी छोड़े जाने के बारे में आधिकारिक तौर पर सूचित किया तथा चेतावनी दी कि 27 अगस्त को रावी, चिनाब और सतलुज नदियों में भारी बाढ़ आने की आशंका है। भारत ने पाकिस्तान को कई बाढ़ अलर्ट जारी किए हैं, जिसमें तवी नदी में बाढ़ की उच्च संभावना पर प्रकाश डाला गया है, जबकि उत्तर भारत में लगातार बारिश के कारण अधिकारियों को प्रमुख बांधों के द्वार खोलने पड़े हैं। सिंधु जल संधि के तहत नियमित जलविज्ञान संबंधी डेटा साझाकरण स्थगित होने के बावजूद, मानवीय आधार पर विदेश मंत्रालय के माध्यम से ये अलर्ट भेजे गए। पहला अलर्ट सोमवार को जारी किया गया था, जिसके बाद मंगलवार और बुधवार को भी चेतावनियाँ जारी की गईं। एक सूत्र के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि भारत ने कल (मंगलवार) और आज (बुधवार) तवी नदी में बाढ़ की उच्च संभावना को लेकर एक और अलर्ट जारी किया था। भारतीय क्षेत्रों में हो रही अत्यधिक बारिश के कारण कुछ बांधों के द्वार खोलने पड़े। हिमालय से निकलने वाली तथा पाकिस्तान में चेनाब नदी में मिलने से पहले जम्मू से होकर बहने वाली तवी नदी विशेष रूप से संवेदनशील है। भारत ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ जल विज्ञान संबंधी आंकड़ों का नियमित आदान-प्रदान स्थगित कर दिया था।

जवानों को सम्मानित करते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने क्या कहा?

ऑपरेशन महादेव ने संतुष्टि को आत्मविश्वास में बदला...

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में ऑपरेशन महादेव में शामिल जवानों को सम्मानित किया। इस ऑपरेशन में पहलगाम आतंकी हमले में शामिल आतंकवादियों को सेना ने मार गिराया था। जवानों को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि हमारे सैनिकों ने दुनिया को दिखा दिया कि आतंकवादी चाहे कोई भी रणनीति अपनाएं, वे अब भारत को नुकसान पहुंचा कर बच नहीं सकते हैं।

ऑपरेशन महादेव को सफलतापूर्वक देने वाले जवानों को संबोधित करते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने कहा प्रधानमंत्री मोदी और समस्त जनता की ओर से मैं सभी सुरक्षा बलों को देशवासियों के मन में सुरक्षा की भावना को सुदृढ़ करने के लिए बधाई देता हूं।

ऑपरेशन महादेव ने लोगों को आत्मविश्वास दिया- गृहमंत्री

उन्होंने कहा कि जिस वक्त कश्मीर में टूरिज्म पीक पर था, उस वक्त पहलगाम हमले से 'कश्मीर मिशन' को डिरेल करने की असफल कोशिश की गई। ऑपरेशन सिंदूर से लोगों में संतुष्टि थी, परंतु ऑपरेशन महादेव ने उस संतुष्टि को आत्मविश्वास में बदला है। ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव ने आतंक के आकाओं को यह बता दिया कि भारत के नागरिकों के जीवन से खेलने का अंजाम क्या होता है।

ऑपरेशन में अब जम्मू-कश्मीर पुलिस भी आगे

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत का हर क्षेत्र में विश्व में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने के भाव का मूल आधार यही सुरक्षा का विश्वास है। तकनीकी रूप से हमारी NIA की FSL ने यह सिद्ध कर दिया कि ऑपरेशन महादेव में मारे गए आतंकियों ने ही पहलगाम में क्रूरता फैलाई थी। जवानों ने दुनिया को दिखा दिया है कि आतंकी चाहे कितने भी तरीके और रणनीति बदलें, वो भारत को आहत पहुंचाकर अब बच नहीं सकते हैं।

राहुल ने चुनाव आयोग पर फिर बोला हमला

गुजरात की गुमनाम पार्टियों के 4300 करोड़ चंदे पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर चुनाव आयोग पर हमला बोला है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए चुनाव आयोग से सवाल किए हैं। राहुल गांधी ने जिस मीडिया रिपोर्ट को साझा किया है, उसमें दावा किया गया है कि गुजरात में कुछ 'अनाम दलों' को 2019-20 और 2023-24 के बीच 4,300 करोड़ रुपये का चंदा मिला है। राहुल गांधी ने आयोग पर तंज कसते हुए पूछा कि क्या चुनाव आयोग इसकी जांच करेगा या हलफनामा मांगेगा।

लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की। इसमें दावा किया गया है कि इन दलों ने तीन चुनावों 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव तथा 2022 के विधानसभा चुनाव में कुल 43 उम्मीदवार उतारे थे, जिन्हें मिलकर सिर्फ 54,069 वोट मिले। वहीं, इनकी चुनाव रिपोर्ट में इन पार्टियों का खर्च 39.02 लाख रुपये दर्ज है, जबकि ऑडिट रिपोर्ट में 3,500 करोड़ रुपये के खर्च का हिसाब दिखाया गया है।

क्या कानून बदल देगा चुनाव आयोग

एक्स पर हिंदी में लिखे पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा कि गुजरात में कुछ गुमनाम पार्टियां हैं जिनके नाम किसी ने नहीं सुने हैं, लेकिन उन्हें 4,300 करोड़ रुपये का चंदा मिला है। उन्होंने यह भी कहा कि इन पार्टियों ने बहुत कम मौकों पर चुनाव लड़ा है या उन पर पैसा खर्च किया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आगे चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए पूछा कि ये हजारों करोड़ रुपये कहां से आए? इन्हें कौन चला रहा है? यह पैसा कहां गया? क्या चुनाव आयोग इसकी जांच करेगा या यहां भी हलफनामा मांगेगा? या फिर वह कानून ही बदल देगा, ताकि यह डेटा भी छिपाया जा सके?

मोदी का बनाया 'मेगा' भारत के लिए 'महा सिरदर्द' बन गया.., अतिरिक्त अमेरिकी टैरिफ पर बोली कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की ओर भारत पर लगाए गए अतिरिक्त शुल्क (टैरिफ) बुधवार से लागू हो गए। इसके बाद कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तंज कसा और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल की शुरुआत में अपनी जीत की 'मेगा' फॉर्मूला बताया था, जिसमें उन्होंने कहा था- मागा + मिगा = मेगा (MAGA + MIGA = MEGA)। लेकिन कांग्रेस ने कहा कि अब यह 'मोदी-निर्मित मेगा' भारत के लिए एक 'महा सिरदर्द' बन गया है। कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अमेरिका की ओर से लगाया गया 'ट्रंप डबल टैरिफ' अब लागू हो चुका है। इसका सीधा असर भारत के कपड़ा, हीरे-जेवरात, चमड़ा, समुद्री उत्पाद और इंजीनियरिंग सामान श्रम-प्रधान निर्यात पर पड़ेगा। रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 24 घंटे पहले अमेरिकी वाणिज्य सचिव ने एच1बी वीजा प्रणाली के खिलाफ भी बयान दिया है, जिसका अब तक सबसे ज्यादा लाभ भारतीय आईटी पेशेवरों को ही मिला है। उन्होंने आगे कहा, यही एच1बी वीजा प्रणाली उस मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) विचारधारा की मांग रही है, जिसका अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समर्थन करते हैं। इसी मागा का इस्तेमाल प्रधानमंत्री मोदी ने इस साल फरवरी में किया था, जब उन्होंने मागा + मिगा = मेगा फॉर्मूला दिया था। अब वही मोदी-निर्मिता मेगा भारत के लिए एक महा सिरदर्द बन गया है। अमेरिकी की ओर से दोगुना टैरिफ लगने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी प्रधानमंत्री मोदी पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि मोदी के प्रिय मित्र के इस कदम से केवल 10 क्षेत्रों में ही भारत को अनुमानित 2.17 लाख करोड़ रुपये का नुकसान होगा।

मनोज जरांगे मुंबई रवाना, बोले- गणेश उत्सव में कोई बाधा न आए

मुंबई, एजेंसी। मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे बुधवार को मुंबई के लिए रवाना हो गए। उन्होंने दोहराया कि वह 29 अगस्त से मुंबई में आंदोलन शुरू करेंगे और उनका आंदोलन शांतिपूर्ण रहेगा। वहीं, सरकार ने जरांगे बातचीत के लिए एक प्रतिनिधिमंडल बनाया है। उन्होंने जालना जिले में अपने गांव अंतरवाली सराठी में पत्रकारों से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा, हमारे समर्थक शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करेंगे और गणेश उत्सव के दौरान किसी को कोई असुविधा नहीं होने देंगे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सत्तारूढ़ भाजपा ने मंगलवार को गणेशोत्सव को देखते हुए जरांगे से आंदोलन की तारीख पर पुनर्विचार करने की अपील की थी।

राहुल गांधी बोले- गुजरात का मॉडल वोट चोरी, स्टालिन ने कहा- SIR में 65 लाख नाम काटना आतंक से कम नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के नेतृत्व में बिहार के SIR के खिलाफ शुरू की गई वोटर अधिकार यात्रा में बुधवार को तमिलनाडुके सीएम एमके स्टालिन शामिल हुए। मुजफ्फरनगर की रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बीजेपी ने चुनाव आयोग को कठपुतली बना दिया है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से 65 लाख वोटर्स के नाम हटाना आतंकवाद से भी ज्यादा खतरनाक है।वहीं राहुल गांधी ने कहा कि गुजरात का मॉडल ही वोट चोरी का मॉडल है। सीएम ने राहुल गांधी की सराहना करते हुए कहा कि राहुल ने चुनाव आयोग को बेकनाब कर दिया। चुनाव आयोग ने उन पर लगाए गए आरोपों का जवाब अभी तक नहीं दिया है। स्टालिन ने कहा बीजेपी ने चुनावों को मजाक बना दिया है। स्टालिन ने वोटर अधिकार यात्रा में शामिल होने के तुरंत बाद एक्स पर लिखा, 'बिहार पहुंच गया हूं। आदरणीय लालू प्रसाद जी की धरती अपनी आंखों में आग लेकर मेरा स्वागत करती है, इसकी मिट्टी पर हर चुराए गए वोट का बोझ है। मैं अपने भाइयों राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और बहन प्रियंका गांधी वाद्रा के साथ उस वोटर अधिकार यात्रा में शामिल हुआ जो लोगों के दर्द को अजेय ताकत में बदल देती है।'

'गरीबों का काटा जा रहा है वोट'

राहुल गांधी ने कहा कि हम आगे भी इनकी चोरी का सबूत सामने रखेंगे। संविधान में लिखा है कि एक व्यक्ति को एक वोट का अधिकार है, लेकिन ये बीजेपी इसी पर आक्रमण कर रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में जिनका वोट काटा गया, वो पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक थे। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के गरीबों का वोट कट रहा है, अंबानी-अडानी का वोट नहीं कट रहा है। राहुल ने कहा कि नरेंद्र मोदी और अमित शाह वोट चोरी करते हैं और बाद में चुनाव जीत जाते हैं। राहुल ने दावा किया कि इन लोगों की मदद चुनाव आयोग कर रहा है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह की मदद चुनाव आयोग करता है।

'गिरफ्तार करना है तो कर लो', सौरभ भारद्वाज की ED को खुली चुनौती, कहा- आज करूंगा बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार में पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दिन भर चली ईडी की छापामारी के बाद रात को हुंकार भरी कि बुधवार को वह बड़ा खुलासा करेंगे। देर रात अपने समर्थकों से घिरे भारद्वाज ने कहा कि मैंने उनको (ईडी) तीन बार अपनी गिरफ्तारी की पेशकश की। भारद्वाज ने कहा कि ने ईडी क्या है इसके बारे में बड़ा खुलासा बुधवार को किया जाएगा।

दिल्ली आप अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मैंने ईडी की टीमों से कहा कि अगर वे मुझे गिरफ्तार करना चाहते हैं, तो कर सकते हैं। मैंने उन्हें तीन बार यह प्रस्ताव दिया... मैं अरविंद केजरीवाल का अनुयायी हूं। मैं आपकी इच्छा के अनुसार काम नहीं करूंगा... मैं कल एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करूंगा... वे प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद मुझे गिरफ्तार भी कर सकते हैं।

इससे पहले कल सुबह दिल्ली में आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज के घर समेत 13 ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय ने छापा मारा। यह कार्रवाई अस्पताल निर्माण में हुए घोटाले को लेकर की गई है। ईडी अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रवर्तन निदेशालय की एक टीम ने अस्पताल निर्माण में अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन मामले में आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज के आवास पर छापा मारा है। ईडी की कार्रवाई देर रात तक चलती रही।

मुंबई से कोंकण का सफर अब होगा सुहाना, जल्द शुरू होगी रो-रो फेरी

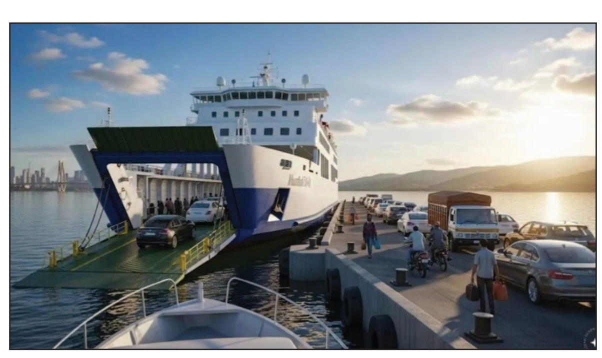

मुंबई, एजेंसी। मुंबई से कोंकण की सैर अब और आसान होने वाली है। रो-रो (रोल-ऑन/रोल-ऑफ) फेरी सेवा की शुरुआत 1 सितंबर से हो रही है। ये मुंबई से रत्नागिरी के जयगढ़ को सिर्फ 3-4 घंटे में और सिंधुदुर्ग के विजयदुर्ग को 5-6 घंटे में जोड़ेगी।

यह सेवा सड़क के लंबे और थकाऊ सफर को करीब आधा कर देगी। कोंकण रेलवे और मुंबई-गोवा हाईवे के बाद अब समुद्री रास्ता कोंकण के लोगों के लिए नया तोहफा होगा। जहाजरानी मंत्री नितेश राणे ने इस फेरी का निरीक्षण किया और इसे कोंकण की शान बताया है।

मुंबई के भाऊ चा धक्का टर्मिनल से चलेगी फेरी

इस सेवा की शुरुआत पहले गणेश चतुर्थी से होने वाली थी, लेकिन खराब मौसम के कारण इसे टालकर 1 सितंबर को शुरू किया जा रहा है।

राणे ने बताया कि मौसम अब ठीक हो रहा है और अगले पांच दिन में टेस्ट रन के बाद फेरी भाऊ चा धक्का टर्मिनल (मुंबई) से सुबह 6:30 बजे चलेगी। यह खबर उन लोगों के लिए खुशखबरी है जो कोंकण की खूबसूरती को जल्दी और आराम से देखना चाहते हैं।

वैष्णो देवी लैंडस्लाइड में अब तक 30 लोगों की मौत, बढ़ सकता है आंकड़ा; जम्मू का देश से रेल-सड़क संपर्क टूटा

कटड़ा। श्री माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग के अर्धकुंवारी क्षेत्र में हुए भूस्खलन में मरने वालों का आंकड़ा 30 तक पहुंच गया है। जानकारी के मुताबिक कई स्थानों पर यात्री अभी भी फंसे हुए हैं और बचाव कर्मी बचाव कार्य में लगे हुए हैं। श्री माता देवा श्राइन बोर्ड की ओर से कहा गया है कि हाल ही में हुई लगातार बारिश और खराब मौसम को देखते हुए, सभी यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम में सुधार होने पर अपनी यात्रा की योजना फिर से बनाए।

रियासी के एसएसपी परमवीर सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के कटड़ा में वैष्णो देवी मंदिर के पास भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में 30 लोगों की मौत हो गई है। इसके अतिरिक्त, जम्मू के चनैनी नाला में एक कार गिरने से 3 श्रद्धालु बह गए। लापता तीन में से दो श्रद्धालु राजस्थान के धौलपुर और एक आगरा का रहने वाला है। रविवार से जारी वर्षा के कारण जम्मू की सड़कें व पुल झेल नहीं पाए और शहर में बाढ़ जैसे हालात बन गए। इसके साथ ही जम्मू का देश से सड़क व रेल संपर्क पूरी तरह कट गया। मंगलवार रात भारी बारिश की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने रात नौ बजे के बाद अकारण घरों से बाहर निकलने पर भी रोक लगा दी थी। तवी, चिनाब, उज्ज सहित सभी नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। जम्मू में तवी नदी पर बना भगवतीनगर पुल की एक लेन धंस गई, जबकि इस नदी पर बने दो अन्य पुलों पर एहतियातन आवाजाही बंद कर दी गई है। कठुआ के पास पुल धंसने से जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय पर यातायात पहले से प्रभावित था।

'अगर हमें कोई चुनौती देता है तो...', राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान पर फिर साधा निशाना; बताया भारत कैसे लड़ेगा युद्ध

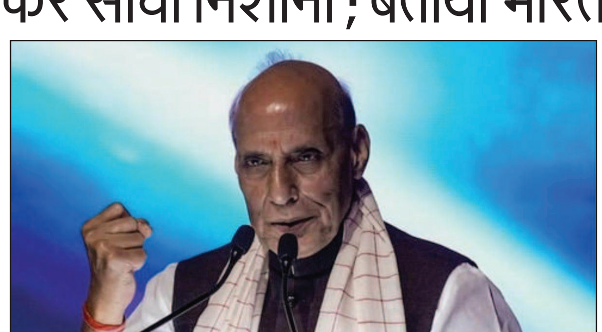

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार (27 अगस्त, 2025) को मध्य प्रदेश के महू में रण-संवाद 2025 कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने बताया कि आने वाले समय में युद्ध कैसे लड़ा जाएगा। साथ ही रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि भारत कभी पहले आक्रमण नहीं करता लेकिन अगर चुनौती मिलती है तो उसका पूरी ताकत के साथ जवाब दिया जाएगा।

राजनाथ सिंह ने कहा, ₹कार्यक्रम का शीर्षक, 'रण संवाद', मुझे बहुत दिलचस्प लगा। यह नाम ही चिंतन और मनन का विषय है। एक ओर 'रण' युद्ध और संघर्ष की कल्पना जगाता है तो दूसरी ओर 'संवाद' संवाद, चर्चा और सुलह की ओर इशारा करता है। पहली नजर में, ये दोनों शब्द विरोधाभासी लगते हैं। जहां युद्ध है, वहां संवाद कैसे हो सकता है और जहां संवाद हो रहा है, वहां युद्ध कैसे हो सकता है? लेकिन गहराई से देखें तो यही नाम हमारे समय की सबसे प्रासंगिक सच्चाइयों में से एक को अपने में समेटे हुए है।'

'रण-संवाद का ऐतिहासिक आधार'

रण-संवाद 2025 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, 'रण-संवाद का भारत में एक ऐतिहासिक आधार भी है और यह मुझे हमारे इतिहास की कई घटनाओं की याद दिलाता है जो हमें दिखाती हैं कि कैसे सभ्यतागत युद्धों का अर्थ 'रण' और संवादों का अर्थ 'संवाद' होता है और भारत में ये दोनों आपस में गुंथे हुए थे। हमारी संस्कृति में, संवाद युद्ध से अलग नहीं है। यह युद्ध से पहले होता है। यह युद्ध के दौरान होता है और युद्ध के बाद भी जारी रहता है। उदाहरण के लिए, महाभारत को ही लें, युद्ध को रोकने के लिए, भगवान कृष्ण शांति के दूत के रूप में गए। वे संवाद करने गए ताकि युद्ध को टाला जा सके।'

राजनाथ सिंह ने बताया कैसे होगा भविष्य का युद्ध?

उन्होंने कहा, 'भविष्य के युद्ध केवल हथियारों की लड़ाई नहीं होंगे; वे प्रौद्योगिकी, खुफिया, अर्थव्यवस्था और कूटनीति का संयुक्त खेल होंगे। आने वाले समय में जो राष्ट्र प्रौद्योगिकी, रणनीति और अनुकूलनशीलता के त्रिकोण में निपुण होगा, वही सच्ची वैश्विक शक्ति के रूप में उभरेगा। सरल शब्दों में कहें तो यह इतिहास से सीखने और एक नया इतिहास लिखने का समय है; यह भविष्य का अनुमान लगाने और उसे आकार देने का समय है।'

शाहरुख खान-दीपिका पादुकोण समेत 7 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज

भरतपुर। राजस्थान के भरतपुर में अभिनेता शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण सहित 7 लोगों पर एक धोखाधड़ी का मामला दर्ज हुआ है। यह शिकायत मथुरा गेट थाने में दर्ज की गई है।

इससे शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। यह एफआईआर भरतपुर निवासी कीर्ति सिंह ने दर्ज करवाई है। उन्होंने अपनी शिकायत में कहा कि कुछ समय पहले उन्होंने हुंडई कंपनी की एक कार खरीदी, लेकिन कार लेने के पहले ही दिन से उसमें तकनीकी खामियां नजर आने लगीं। बार-बार शिकायत करने के बावजूद कंपनी ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। वे उन्हें बार-बार आश्वासन देते रहे कि गाड़ी ठीक हो जाएगी, लेकिन किया कुछ नहीं। बहाना बनाकर उन्हें टालने की कोशिश करते रहते। कार निर्माता के इस रवैये से तंग होकर कीर्ति सिंह ने कानूनी लड़ाई लड़ने का फैसला लिया है। उन्होंने भरतपुर की सीजेएम कोर्ट में इस धोखाधड़ी के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। इस पर कोर्ट ने मथुरा गेट थाना पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। कीर्ति सिंह ने दावा किया कि उसे हुंडई कंपनी ने 'मैन्युफैक्चरिंग डिफेक्ट' वाली कार बेची। पुलिस ने कोर्ट के आदेश के बाद हुंडई कंपनी, उसके अधिकारियों और ब्रांड एंबेसडर शाहरुख खान व दीपिका पादुकोण सहित 7 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में मामला दर्ज किया। इसमें विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। कीर्ति सिंह का कहना है कि उन्होंने हुंडई कार शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण के विज्ञापनों को देखकर खरीदी थी। ऐसे में उपभोक्ता का यह भरोसा टूटना सीधे ब्रांड एंबेसडरों की जवाबदेही को भी दर्शाता है।

सांसद प्रमोद तिवारी बोले, राम मंदिर निर्माण की पक्षधर रही कांग्रेस, सुप्रीम कोर्ट की वजह से हो पाया संभव

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी बुधवार को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले हनुमानगढ़ी में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद अयोध्या राज परिवार के मुखिया और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य रहे दिवंगत बिमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र के निधन पर राज सदन में उनके परिवार से मुलाकात कर शोक संवेदना प्रकट की।

इस दौरान संवाददाताओं से बातचीत के दौरान प्रमोद तिवारी ने कई बड़े मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने भाजपा पर तीखा हमला बोला। तिवारी ने कहा कि भाजपा कभी नहीं चाहती थी कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो। भाजपा हमेशा इस मुद्दे को जिंदा रखना चाहती थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सोच हमेशा स्पष्ट रही है, कांग्रेस शुरू से ही अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण की पक्षधर रही है। उन्होंने साफ कहा कि मंदिर का निर्माण सुप्रीम कोर्ट के आदेश की वजह से संभव हो पाया है, इसलिए इसके लिए हम कोर्ट के आभारी हैं।

गृह मंत्री अमित शाह पर बोला हमला, कहा- गरिमा के अनुरूप नहीं कर रहे व्यवहार

उपराष्ट्रपति चुनाव पर बोलते हुए तिवारी ने जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी को सबसे उपयुक्त उम्मीदवार बताया। वहीं, गृह मंत्री अमित शाह पर भी उन्होंने करारा हमला बोला। तिवारी ने कहा कि शाह भले ही देश के गृह मंत्री हैं, लेकिन गरिमा के अनुरूप व्यवहार नहीं कर रहे हैं। बी. सुदर्शन रेड्डी पर दिया गया उनका बयान कहीं से भी उचित नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि भाजपा की सरकार 11 साल से सत्ता में है, अगर कोई समीक्षा करनी थी तो पहले क्यों नहीं की, अब अचानक इस तरह का बयान क्यों दिया जा रहा है।

बिहार में 65 लाख वोट काट दिए गए, फर्जी मतदाता जोड़ने का हुआ खेल

बिहार चुनाव को लेकर भी प्रमोद तिवारी ने गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि एसआरआई सिस्टम लोकतंत्र खत्म करने और वोट की चोरी के लिए बनाया गया है। तिवारी ने आरोप लगाया कि बिहार में 65 लाख वोट काट दिए गए हैं और फर्जी मतदाता जोड़ने का भी खेल हुआ है।

नव चयनित मुख्य सेविकाओं को उज्ज्वल भविष्य के लिए दी गई शुभकामनाएं

आर्यावर्त संवाददाता

गोण्डा। जिला पंचायत सभागार गोंडा में एक गरिमामयी समारोह के अंतर्गत बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग में नव चयनित 37 मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। यह आयोजन नारी सशक्तिकरण एवं बाल विकास के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग में कुल 2536 मुख्य सेविका की भर्ती की गई है, जिसमें से 2425 मुख्य सेविकाओं के नियुक्ति पत्र वितरण हेतु संस्तुति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री उ०प्र० के कर कमलों द्वारा जनपद लखनऊ में नियुक्ति पत्र वितरण किया गया, जिसके क्रम में आज जनपद में नव चयनित 37 मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया है। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्ष जिला पंचायत घनश्याम मिश्र ने उपस्थित होकर नव चयनित मुख्य सेविकाओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि बाल विकास विभाग में नियुक्त यह नई टीम समाज में कुपोषण, बाल अधिकारों एवं महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर विधायक तरबगंज प्रेम नारायन पाण्डेय, विधायक गौरा प्रभात कुमार वर्मा, तथा विधायक करनैलगंज अजय सिंह ने भी समारोह को संबोधित किया और कहा कि सरकार की मंशा है कि अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और इसके लिए जमीनी स्तर पर कार्य करने वाली मुख्य सेविकाओं की भूमिका बेहद अहम है।

लरामपुर के गांव में उल्टी–दस्त से दो की मौत, कई बीमार, ग्रामीणों का दावा – डायरिया से गई जान

आर्यावर्त संवाददाता

बलरामपुर। बलरामपुर जिले के हरैया सतघरवा क्षेत्र के गौरामाफी गांव में पिछले एक सप्ताह से फैली बीमारी ने लोगों की जान लेनी शुरू कर दी है। उल्टी-दस्त की चपेट में आकर गांव के बड़कने (36) पुत्र घिड़िहावन और प्रियंका (3) पुत्री अशोक कुमार की मौत हो गई है। वहीं, मोहित (1) पुत्र भैयाराम की हालत नाजुक बनी हुई है। जिनका इलाज सीएचसी तुलसीपुर में चल रहा है। गांव के लोगों ने बताया कि उल्टी दस्त से लोग पीड़ित थे। ग्रामीण डायरिया होने से मौत बता रहे हैं, स्वास्थ्य विभाग एक्यूट गैस्ट्रोएंटराइटिस बीमारी से मौत माना।

गांव के निवासी मनोज कुमार पासवान ने बताया कि अनौप (4), विकास (12), घिराऊ (40), मुरली (45), भानुदत्त (38), मोहित (16), शिवांगी (20), तुलसीराम (22), मनोज कुमार (36) और ननकुन (21) समेत करीब एक दर्जन लोग अभी भी बीमार हैं। गांव में बीमारी फैलने से लोगों में दहशत का माहौल है।

मेडिकल टीम कैंप लगाकर कर रही इलाज

सीएचसी तुलसीपुर के अधीक्षक डॉ. विकल्प मिश्र मेडिकल टीम के साथ गांव पहुंचे और लोगों का इलाज कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मौतें एक्यूट गैस्ट्रोएंटराइटिस बीमारी के कारण हुई हैं।

शिक्षक संघ ने सौंपा 13 सूत्रीय मांग पत्र, निस्तारण न होने पर आंदोलन की चेतावनी

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत शिक्षकों की लंबित समस्याओं के समाधान के लिए उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ सक्रिय हो गया है। मंगलवार को संघ का एक प्रतिनिधिमंडल जिला अध्यक्ष एवं मंडल मंत्री अयोध्या दिलीप कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में वित्त एवं लेखाधिकारी रामबचन राम से मिला और तेरह सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। संघ के जनपदीय प्रवक्ता निजाम खान ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही समाप्ति की ओर है, लेकिन अब तक शिक्षकों से जुड़े कई नियमित कार्य लंबित पड़े हैं। इनमें शिक्षकों का वेतन, चयन वेतनमान का निर्धारण व भुगतान, सेवानिवृत्त शिक्षकों के देयक, अवशिष्ट वेतन भुगतान, निलंबित बोनस, अंतर्जनपदीय स्थानांतरित शिक्षकों का बकाया वेतन, डीए और बोनस भुगतान, एनपीएस में सरकार का अंश समय से जमा न होना तथा जीपीएफ की लेखापर्ची जारी न होना जैसी समस्याएं शामिल हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वित्त एवं लेखाधिकारी कार्यालय की असंवेदनशील कार्यशैली से शिक्षकों में आक्रोश व्याप्त है, और यदि समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण नहीं हुआ तो किसी भी समय अप्रिय स्थिति उत्पन्न हो सकती है। संघ ने चेतावनी दी कि मांगों की अनदेखी होने पर आंदोलन का सहारा लिया जाएगा।

अयोध्या के महंत राजूदास बोले– हर गली, हर कूचे, हर मोहल्ले में कूटे जाएंगे स्वामी प्रसाद मौर्य

आर्यावर्त संवाददाता

गोंडा। गोंडा शहर के गोनार्द लॉन में युवा सोच संगठन के संस्थापक अनिल सिंह भदौरिया की बेटी के जन्मदिन पर 11 गरीब कन्याओं को गोद लिए जाने के कार्यक्रम में मंगलवार की रात गोंडा पहुंचे अयोध्या के महंत राजू दास ने कई मुद्दों पर खुलकर अपनी बात कही।

उन्होंने पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य के प्रकरण में कहा कि जो स्वामी प्रसाद मौर्य का हाल है। वह किसी का नहीं हो सकता है। वो हर गली में, हर कूचे में और हर मोहल्ले में कूटे जाएंगे और पीटे जाएंगे।

उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति की पहचान भारत से है। सनातन पूरे विश्व को अपना परिवार मानता है। सनातन सिखाता है धर्म की जय हो। अधर्म का नाश हो। प्राणियों में सद्भाव हो। स्वामी प्रसाद ही नहीं स्वामी प्रसाद जैसे तमाम लोग हैं जो सनातन पर टिप्पणी करते हैं उनको मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए।

उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को खुद को ब्राह्मण बताए जाने को लेकर निशाना साधा और कहा कि देखिए राहुल गांधी अभी अयोध्या के राम मंदिर नहीं आए। सनातन की बात आती है तो हिंदुओं पर टिप्पणी करते हैं। सनातनियों को तोड़ने का प्रयास करते हैं। राहुल गांधी शुद्ध रूप से कुर्सी के लिए फ्रस्ट्रेटेड हो चुके हैं। क्या सोचना चाहिए, क्या बोलना चाहिए उनको पता नहीं। विश्वपटल पर जिस तरीके से वह भारत की बदनामी का प्रयास करते हैं वह शर्मनाक है।

नाबालिग के साथ गांव के युवक ने दिन–दहाड़े जबरन किया दुष्कर्म, 30 घंटे बाद मुकदमा दर्ज

आर्यावर्त संवाददाता

गोण्डा। जनपद अन्तर्गत मसकनवां पुलिस चौकी से पांच सौ मीटर की दूरी पर नाबालिग के साथ उसी गांव के युवक ने दिन- दहाड़े अपने घर मे जबरन दुष्कर्म किया। गांव के लोग को जानकारी होने पर नाबालिग को दुष्कर्मी के चंगुल से मुक्त कराया। परिजनो के काफी प्रयास के बाद पुलिस ने तीस घंटे बाद मुकदमा दर्ज कर पीडिता को मेडिकल के लिए भेजा है।एफआईआर में देरी योगी सरकार की महिलाओ के साथ होने वाली अपराधिक घटनाओ के अन्तर्गत अपनायी जाने वाली जीरो टॉलरेंस की नीति पर सवाल खडे कर रहे है। छपिया थाना क्षेत्र के मसकनवा पुलिस चौकी से पांच सौ मीटर की दूरी पर सोमवार को एक गांव मे 16 वर्षीय नाबालिग छात्रा किसी कार्यवस अपने गांव मे ही घर से लगभग दस मीटर की दूरी पर एक युवक के घर गयी हुई थी। इस बीच युवक ने दिन -दहाड़े नाबालिग छात्रा को कमरे मे जबरन बन्द कर दुष्कर्म किया। इस बीच परिवार वालो सहित गांव वालो के लोगो को जानकारी होने पर दुष्कर्मी के घर पहुंचकर नाबालिग को मुक्त कराया । घटना सोमवार दिन के बारह बजे की बतायी जा रही है। परिजनो ने तत्काल इसकी सूचना मसकनवां पुलिस चौकी इंचार्ज तेज नरायन गुप्ता को दी लेकिन चौकी प्रभारी मामले को किसी तरह सुलह समझौते के बात करते हुए मुकदमा दर्ज करने मे आना कानी करते रहे। इस बीच मामला पुलिस अधीक्षक के संज्ञान मे आने के बाद 30 घंटे बाद मंगलवार देर रात मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने मामले की तफसीस शुरू की है। थाना प्रभारी निरीक्षक राम समुझ प्रभाकर ने बताया है की नाबालिग के साथ हुए दुष्कर्म का पास्को एक्ट सहित विभिन्न धाराओ मे मुकदमा दर्ज कर नाबालिग को मेडिकल के लिए भेजा जा रहा है।

चयनित 50 मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्र किया गया वितरित

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। इन सभी मुख्य सेविकाओं का चयन उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के द्वारा किया गया है। लखनऊ के लोकभवन सभागार में नवचयनित 2,425 मुख्य सेविकाओं के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूरी शुचिता के साथ नियुक्ति की जा रही है। मुख्यमंत्री ने चयनित अभ्यर्थियों से कहा कि जब आप ईमानदारी से काम करेंगे और कठिन परिश्रम करेंगे, तो सफलता जरूर मिलती है। ऐसे में अभ्यर्थियों की जिम्मेदारी है कि वो भी बिना किसी भेदभाव के काम करें और अपने कर्तव्य को पूरी प्रतिबद्धता के साथ निभाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आंगनबाड़ी में मुख्य सेविकाओं की जिम्मेदारी मां यशोदा की तरह है, जिस तरह मां यशोदा ने बच्चों का पालन पोषण किया, वैसे ही आपकी भी जिम्मेदारी है कि आंगनबाड़ी केंद्रों की देखरेख करें। याद रखें कि जब भी भगवान श्री कृष्ण का नाम आता है, तो मां यशोदा का भी नाम आता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि कन्याओं के पोषण के साथ ही मार्गदर्शन की जिम्मेदारी भी मुख्य सेविकाओं की है। हमारे समाज में कन्याओं का पोषण ये कहकर किया जाता है कि उन्हें पराये घर जाना है पर मैं कहूंगा कि वो पराये घर जाएं तो स्वालंबी बनकर जाएं। आत्मनिर्भर बनकर जाएं। वित्त मंत्री के संबोधन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन मुख्य विकास अधिकारी के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में किया गया, जिसमें लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी किया गया। कार्यक्रम में ऊषा सिंह, अध्यक्ष जिला पंचायत, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, म सदस्य विधान परिषद, सुशील पाण्डेय, जिला अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, श्री राजेश गौतम, मा0 विधायक, कादीपुर सुलतानपुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन शरद कुमार त्रिपाठी, जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जनपद की 50 नवचयनित मुख्यसेविकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जन प्रतिनिधियों द्वारा ज्योति सिंह, पुत्री ओम प्रकाश सिंह, निवासी रैंचा, बल्दीराय अल्पना मिश्रा, पुत्री शिव प्रकाश मिश्रा, निवासी सलारपुर, सपना यादव, पुत्री प्रेम चन्द्र यादव, निवासी परवर समेत 50 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। राजेश गौतम, विधायक, कादीपुर द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को बधाई दी गयी। ऊषा सिंह, अध्यक्ष जिला पंचायत द्वारा कहा गया कि मुख्यसेविकाओं की नियुक्ति होने से आंगनबाड़ी तंत्र को मजबूती मिलेगी और सेवाओं का संचालन बेहतर होगा।

40 साल की नि :स्वार्थ सेवा को सलाम, पीएम से पद्मश्री की मांग

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। वरिष्ठ समाजसेवी एवं शहीद स्मारक सेवा समिति के अध्यक्ष करतार केशव यादव को उनकी चार दशक से अधिक समय की निःस्वार्थ समाजसेवा और जनकल्याणकारी योगदान को देखते हुए पद्मश्री पुरस्कार के लिए जद यू के प्रदेश अध्यक्ष प्रबुद्ध प्रकोष्ठ वरिष्ठ समाजसेवी ओम प्रकाश उपाध्याय के निवेदन पर अध्यक्ष नगर पालिका प्रवीन कुमार अग्रवाल ने देश के प्रधानमंत्री को पत्र भेज कर नामित किए जाने की मांग की है। प्रधानमंत्री को भेजे गए पत्र में अध्यक्ष नगर पालिका ने कहा हे कि उत्तर प्रदेश रत्न से विभूषित और लगभग दो सौ पुरस्कारों से अलंकृत श्री यादव ने अपने कुशल नेतृत्व में अब तक हज़ारों यूनिट रक्तदान कराया है। लावारिस व बेघर रोगियों की सेवा, अस्पतालों में असहाय मरीजों की देखभाल, मरहम-पट्टी और सफाई तक का कार्य उनके प्रयासों से किया गया है। शास्त्री नगर स्थित "सहयोग कुज अस्पताल" में वरिष्ठ चिकित्सक निःशुल्क मरीजों का इलाज करते हैं, जो उनकी समर्पण भावना से प्रेरित हैं। श्री अग्रवाल ने पी एम को भेजे गए पत्र में यह भी कहा है कि श्री यादव द्वारा प्रत्येक वर्ष ठंड के मौसम में जरूरतमंदों को कंबल, रजाई, ट्राइसाइकिल, सिलाई मशीनें और ठेले वितरित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का कार्य भी कराया जाता है वही पर्यावरण संरक्षण के लिए गोमती तट की सफाई और वृक्षारोपण अभियान चलाने के साथ-साथ उन्होंने शहर में अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद, महारानी लक्ष्मीबाई, भगत सिंह, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, ठाकुर रोशन सिंह और राजेंद्र लाहिड़ी जैसी विभूतियों की प्रतिमाओं की स्थापना भी कराई।न्याय विभाग से सेवानिवृत्ति के बाद पूरी तरह समाजसेवा को समर्पित श्री यादव का किसी राजनीतिक दल से कोई जुड़ाव नहीं है और न ही उन्होंने किसी सरकारी सहायता पर निर्भरता दिखाई है। अध्यक्ष नगर पालिका द्वारा भारत सरकार को भेजी गई संस्तुति में कहा गया है।

बरेली धर्मांतरण केस: देशभर में फैला मजीद का नेटवर्क, आरोपियों के 21 बैंक खाते मिले, विदेशी फंडिंग की आशंका

आयावत क्रात ब्यूरा

बरेली। छांगुर गिरोह की तर्ज पर बरेली में काम कर रहे अब्दुल मजीद के गिरोह को पाकिस्तान समेत अन्य देशों से फंडिंग की आशंका में पुलिस व एजेंसियां अलर्ट पर हैं, लेकिन भविष्य में जांच से स्थिति और स्पष्ट होने की बात अधिकारी कह रहे हैं। मजीद के तीन और पत्नी के दो खातों में 13 लाख रुपये से ज्यादा का लेनदेन है। पकड़े गए चारों आरोपियों के कुल 21 बैंक खाते मिले हैं।

भुता क्षेत्र में पकड़े गए अब्दुल मजीद के गिरोह का यूं तो बलरामपुर में धर्म परिवर्तन गैंग चलाने वाले छांगुर बाबा से कोई सीधा मतलब नहीं निकला है, हालांकि अधिकारी भविष्य की जांच में कनेक्शन निकलने की आशंका से इन्कार भी नहीं कर रहे हैं। शहर में कट्टरवादी हैदरी दल की गतिविधियां पहले ही सामने आ चुकी हैं, उसमें भी मदरसा और धर्मस्थलों से जुड़े लोग सक्रिय थे।

सोशल मीडिया पर बना रखे हैं कई ग्रुप

मजीद के गिरोह की खासियत ये है कि इसके सदस्यों ने सोशल मीडिया पर कई ग्रुप बना रखे थे। इनमें धार्मिक कट्टरपंथी जाकिर नाइक व अन्य आधुनिक सोच के मुस्लिम विद्वानों के ऑडियो व वीडियो शेयर किए जाते थे। मुस्लिम झुकाव वाले हिंदू लेखकों व विद्वानों का साहित्य डाला जाता था।

साथ ही समुदाय विशेष की लड़कियों के फोटो व वीडियो डाले जाते थे। ग्रुप में शामिल हिंदू लोगों से चैट कराई जाती थी। सभी आरोपियों के मोबाइल कब्जे में लेकर यह डाटा पुलिस ने सुरक्षित कर लिया है। इनकी कॉल डिटेल निकाली जा रही है।

दर्जी का काम करने वाले सलमान के 12 खाते

मजीद के तीन और पत्नी के दो खातों में 13 लाख रुपये से ज्यादा का लेनदेन है। दर्जी का काम करने वाले सलमान के 12 खाते मिले हैं जिनमें से छह उसकी पत्नी के हैं। इनमें उसकी हैसियत से कहीं ज्यादा रकम मिली है। आरिफ व फहीम के दो-दो खाते मिले हैं जिनकी जांच जारी है। पत्रकार वार्ता के दौरान जिले में तैनात दो एएसपी आईपीएस अधिकारी शिवम आशुतोष व सोनाली मिश्रा भी मौजूद रही।

धर्मांतरण गिरोह का खुलासा - फोटो : अमर उजाला

धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया में गिरोह ऐसे चुनता था शिकार

तलाकशुदा या पारिवारिक कलह से परेशान लोग।

अकेले रहने वाले या सामाजिक रूप से कटे हुए लोग।

भावनात्मक और मानसिक प्रभाव डालना

मूल धर्म को समस्या की जड़ के रूप में प्रस्तुत करना।

ज़ाकिर नाइक की वीडियो और ऑडियो सामग्री तथा पाकिस्तानी धर्मगुरु जैसे ईआर मिर्ज़ा की वीडियो से प्रभावित करना।

लालच देने का तरीका

आर्थिक मदद (नकद, मोबाइल, खाना, कपड़े)।

नौकरी या शादी का प्रलोभन।

धर्म परिवर्तन का उद्देश्य

परिवार व समाज से दूरी बनाने की सलाह।

धार्मिक रीति-रिवाज।

धार्मिक प्रचार सामग्री

जाकिर नाइक के वीडियो क्लिप, ऑडियो फाइलें और धर्म से संबंधित पुस्तकें।

Abdul Majeed conversion gang network spread across the country

आरोपियों से बरामद हुआ ये सामान - फोटो : अमर उजाला

आर्थिक दस्तावेज़

नकद रकम, मोबाइल फोन, और शादी के वादे से संबंधित कागजात।

धार्मिक संसाधन

ताबीज़, नमाज पढ़ने के लिए किताबें और अन्य धार्मिक वस्तुएं, हरे रंग की माला।

संदिग्ध डिजिटल सामिग्री

मोबाइल फोन और लैपटॉप में धार्मिक वीडियो, सोशल मीडिया चैट और संपर्क विवरण।

गिरोह के सदस्यों के परिचय-पत्र और संपर्क नंबर

गिरोह से जुड़े व्यक्तियों के नाम, फोन नंबर, और सोशल नेटवर्किंग लिंक।

बैंक खातों व नंबरों की हो रही जांच

एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा ने बताया कि गिरोह के सदस्यों खासकर अब्दुल मजीद ने देश के कई राज्यों की यात्रा की। उसकी विदेश यात्रा का कोई ब्योरा फिलहाल नहीं मिला है। उसके व गिरोह के सदस्यों के बैंक खातों व मोबाइल नंबरों की जांच की जा रही है। जल्द ही बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी। नए आरोपी चिह्नित हुए तो उनकी भी धरपकड़ की जाएगी। विदेशी फंडिंग या कनेक्शन की अभी पुष्टि नहीं है लेकिन जांच अभी जारी है।

बेईमान राजनीतिक दलों ने यूपी को बनाया था बीमारू राज्य, नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में बोले सीएम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बेईमान राजनीतिक दलों ने उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य बना दिया था। भ्रष्टाचार और बंदरबांट की राजनीति ने इस समृद्ध प्रदेश को पहचान के संकट में धकेल दिया था। लोकभवन सभागार में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत चयनित 2,425 मुख्य सेविकाओं और 13 फार्मासिस्टों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में उन्होंने आरोप लगाया कि 2017 से पहले नियुक्तियों में बंदरबांट होती थी, योग्य अभ्यर्थी भेदभाव और भ्रष्टाचार के शिकार होते थे।

उन्होंने कहा कि 1947 के बाद 1960 तक यूपी देश का अग्रणी प्रदेश था, जिसका योगदान 14 प्रतिशत से अधिक था। लेकिन 1960 के बाद गिरावट शुरू हुई और 1990 के बाद यह और तेज हो गई। 2017 तक यूपी का योगदान आठ फीसदी से भी कम हो गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दौरान खाद्यान्न उत्पादन, इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश में यूपी पिछड़ता गया। नौजवान यूपी से बाहर जाते थे, लेकिन वहां भी पहचान का संकट झेलते थे। यह दंगों और परिवारवादी राजनीति का परिणाम था, जिसने यूपी को लूट का अड्डा बना दिया।

योगी ने कहा कि महिला और बाल विकास विभाग के तत्वाधान में नवचयनित मुख्य सेविकाओं और फार्मासिस्टों को नियुक्ति पत्र वितरण प्रदेश भर की बेटियों के लिए अवसर है। उन्होंने सभी नवचयनितों को बधाई देते हुए अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को इस निष्पक्ष प्रक्रिया के लिए धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा कि हर युवा के मन में सपना होता है और सरकार का दायित्व है कि उसे मंच दे। युवा प्रतिभाशाली और ऊर्जावान होता है, लेकिन जब वह भेदभाव और भ्रष्टाचार का शिकार होता है, तो यह राष्ट्रीय क्षति है। 2017 से पहले यूपी में नियुक्तियां नहीं होती थीं, होती भी तो बंदरबांट और भ्रष्टाचार के चलते योग्य युवा पीछे रह जाते थे। नतीजा, यूपी बीमारू राज्य बन गया।

स्कूल मर्जर को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष के पास मुद्दा नहीं, सिर्फ नकारात्मकता है। जर्जर भवनों को शिफ्ट करने और छात्र-शिक्षक अनुपात सुधारने का प्रयास राष्ट्रीय शिक्षा नीति का हिस्सा है। एक जर्जर भवन गिरने से बच्चे मरे, लेकिन विपक्ष भ्रम फैलाता है। हम खाली विद्यालयों में प्री-प्राइमरी और बाल वाटिका चलाएंगे, पांच हजार बाल वाटिकाएं सफलतापूर्वक संचालित भी हैं। इन विद्यालयों में विभिन्य गतिविधियों के माध्यम से पोषण मिशन से 3-6 वर्ष के बच्चों का मानसिक विकास होगा, जो स्वस्थ समाज के लिए महत्वपूर्ण है।

उन्होंने नवचयनित मुख्य सेविकाओं और फॉर्मासिस्टों से ईमानदारी और भेदभाव मुक्त सेवा की अपील करते हुए कहा कि स्वस्थ बचपन से समृद्ध भविष्य बनेगा। आपकी जिम्मेदारी देश के बचपन को बचाने की है, जैसा मां यशोदा ने भगवान कृष्ण का पालन किया। योगी ने महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि यूपी पुलिस में 2 महीने पहले 60,244 भर्ती में 12,045 बेटियां चयनित हुईं। 1947-2017 में सिर्फ 10,000 महिला पुलिसकर्मी थीं, लेकिन 8 साल में 40,000 से अधिक बेटियों को भर्ती किया। बेसिक शिक्षा परिषद में 1,56,000 शिक्षकों में ज्यादातर बेटियां हैं।

सरोजनीनगर विधायक डॉ . राजेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की मुलाकात, क्षेत्रीय विकास व जनसमस्याओं पर हुई चर्चा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सरोजनीनगर के विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रीय विकास, जनसमस्याओं और राजधानी की चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा की।भेंट के दौरान डॉ. सिंह ने मुख्यमंत्री को सरोजनीनगर में चल रहे महिला एवं युवा सशक्तिकरण कार्यक्रमों, डिजिटल शिक्षा की पहलों और सांस्कृतिक नवजागरण से जुड़े प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये योजनाएँ क्षेत्र की सामाजिक और शैक्षिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।लखनऊ शहर की समस्याओं पर चिंता जताते हुए डॉ. सिंह ने बरसात के समय जलभराव, नालों की सफाई और सड़कों की खराब स्थिति का मुद्दा उठाया। उन्होंने मुख्यमंत्री से नगर निगम और नगर विकास विभाग की कार्यप्रणाली की समीक्षा कर ठोस कदम उठाने का आग्रह किया।इसके साथ ही लखनऊ-कानपुर एलिवेटेड हाइवे के निर्माण कार्य में तेजी लाने की मांग की और कहा कि निर्माण कार्य के दौरान स्थानीय निवासियों को हो रही असुविधाओं का समाधान भी किया जाए।राज्य राजधानी क्षेत्र (SCR) योजना की प्रासंगिकता पर बात करते हुए विधायक ने कहा कि यह परियोजना लखनऊ समेत छह जनपदों के लिए विकास का नया अध्याय लिखेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री से SCR बोर्ड की बैठक शीघ्र बुलाने का अनुरोध किया।भेंट के बाद डॉ. सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर लिखा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मार्गदर्शन न केवल विकास यात्रा को नई दिशा देता है बल्कि जनता की आकांक्षाओं को मूर्त रूप देने की प्रेरणा भी प्रदान करता है

लखनऊ में 29 अगस्त से शुरू होगा फूड एंड बेकरी एक्सपो 2025, उद्यमियों और युवाओं के लिए सुनहरा अवसर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में फूड एंड बेकरी एक्सपो 2025 का तीसरा संस्करण 29 अगस्त से 31 अगस्त तक अवध शिल्प ग्राम में आयोजित होने जा रहा है। इस भव्य प्रदर्शनी का आयोजन एसजी फूडीज़ इन्फोटेक एलएलपी द्वारा किया जा रहा है, जबकि फूड इंडस्ट्रीज़ वेलफेयर एसोसिएशन (FIWA) इसका सहयोग कर रही है। यह आयोजन भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME) द्वारा अनुमोदित है, जो इसे और भी महत्वपूर्ण बनाता है।तीन दिवसीय प्रदर्शनी का उद्देश्य खाद्य एवं बेकरी क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों, स्टार्ट-अप्स और स्थापित कंपनियों को एक ऐसा साझा मंच उपलब्ध कराना है, जहाँ वे अपने नवीनतम उत्पाद, पैकेजिंग, तकनीक, मशीनरी और नवाचार प्रस्तुत कर सकें। एक्सपो का शुभारंभ 29 अगस्त की सुबह 11 बजे विशिष्ट अतिथियों और उद्योग जगत के दिग्गजों की मौजूदगी में होगा। आयोजक डॉ. गिरीश गुप्ता ने बताया कि यह प्रदर्शनी केवल उद्योग जगत के लिए ही नहीं, बल्कि लखनऊवासियों के लिए भी बेहद लाभकारी होगी। लखनऊ अपनी मेहमाननवाजी और खाद्य संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है और इस आयोजन से शहर की पहचान और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि इसमें खाद्य, बेकरी, पेय पदार्थ, पैकेजिंग और सहायक उद्योगों से देशभर के प्रमुख उद्यमी शामिल हो रहे हैं।इस आयोजन में MSME सेक्टर पर विशेष फोकस रहेगा ताकि छोटे उद्योगों को सरकारी योजनाओं और सब्सिडी का लाभ मिल सके। इसके अलावा 30 अगस्त को शाम 7 बजे डैमसन प्लम होटल, लखनऊ में बी2बी नेटवर्किंग मीट का आयोजन किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश में महिला सशक्तिकरण और स्वच्छ ऊर्जा के लिए ' देवी ' कार्यक्रम का शुभारंभ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प तथा 'अंत्योदय' की प्रेरणा को आगे बढ़ाते हुए सरकार ग्रामीण क्षेत्र की निर्धन महिलाओं को संगठित, सशक्त और स्वावलंबी बनाने के लिए तेजी से कार्य कर रही है। इसी कड़ी में होटल ताज, लखनऊ में आयोजित विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा अंतर्गत 'देवी' कार्यक्रम का शुभारंभ उपमुख्यमंत्री ने मुख्य अतिथि के रूप में किया।उपमुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह कार्यक्रम प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा का मजबूत इकोसिस्टम तैयार करेगा और महिलाओं की भागीदारी से स्वच्छ ऊर्जा और उद्यमिता के नए आयाम स्थापित होंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि डीआरई संवाद कोई साधारण सम्मेलन नहीं बल्कि महिलाओं को ऊर्जा की उपभोक्ता से नेतृत्वकर्ता बनाने का एक आंदोलन है।उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में महिलाओं का सशक्त और स्वावलंबी होना अति आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीण विकास विभाग और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिलाओं के उत्थान हेतु चलाई जा रही योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। फूड प्रोसेसिंग,

सौर ऊर्जा प्लांट और उद्यमिता में महिलाओं के लिए बैंकिंग व अनुदान सहित 90 प्रतिशत सब्सिडी की व्यवस्था भी की गई है।उपमुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में लगभग एक करोड़ महिलाएँ स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं और इन समूहों की सक्रियता बढ़ाने तथा नई पहचान दिलाने की आवश्यकता है। प्रत्येक विकासखंड में चार सोलर शॉप स्थापित करने, 57,000 'सूर्य सखी' का चयन और प्रशिक्षण देने तथा 1,00,000 महिला उद्यमियों द्वारा सौर समाधान अपनाने जैसे महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य तय किए गए हैं।कार्यक्रम में उन्होंने यह भी बताया कि राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से 'दीदियां' बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंस सखी, नमो ड्रोन दीदी, विद्युत सखी, टेक-होम राशन, डेयरी एवं उद्यमिता में नई पहचान बना रही हैं। इसके साथ ही महिलाएं सौर उत्पादों की स्थापना, मरम्मत और रखरखाव में दक्ष बनेंगी और पर्यावरण संरक्षण तथा सतत विकास लक्ष्यों में योगदान देंगी।कार्यक्रम में निदेशक जलवायु एवं रणनीति, सीईओ, मिशन निदेशक, भारत सरकार और विभिन्न एनजीओ तथा संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल हुए। सभी ने उत्तर प्रदेश में महिला उद्यमिता और स्वच्छ ऊर्जा तंत्र को सशक्त बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण दीदियों की सक्रिय भागीदारी न केवल महिला सशक्तिकरण का मॉडल प्रस्तुत करेगी बल्कि प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर और विकसित भारत के सपनों को साकार करने में भी अग्रणी भूमिका निभाएगी।

• संक्षेप •

कृषि विभाग ने तोरिया (लाही) फसल के निःशुल्क बीज मिनीकिट वितरण के लिए खोला ऑनलाइन पोर्टल

लखनऊ। प्रदेश सरकार द्वारा कृषि विभाग के अन्तर्गत संचालित राज्य सहायतित निःशुल्क तिलहन बीज मिनीकिट वितरण, प्रदर्शन और प्रसार कार्यक्रम के तहत तोरिया (लाही) फसल के दो किलोग्राम मात्रा वाले बीज मिनीकिट निःशुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इच्छुक कृषक 01 अगस्त से 31 अगस्त 2025 तक कृषि विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।कृषकों को सूचित किया गया है कि आवेदन अवधि में यदि आवेदनों की संख्या निर्धारित लक्ष्य से अधिक होती है, तो लाभार्थियों का चयन आनलाइन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। प्रत्येक कृषक केवल एक मिनीकिट ही प्राप्त कर सकता है।

लखनऊ में रोजगार महाकुंभ: हजारों युवाओं को मिले रोजगार के अवसर

लखनऊ। स्थित इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में तीन दिवसीय रोजगार महाकुंभ का आयोजन किया गया, जो 28 अगस्त तक जारी रहेगा। इस महाकुंभ का आयोजन श्रम एवं सेवायोजन विभाग, बी.सी.एस. कंसल्टिंग लिमिटेड और द इकोनॉमिक टाइम्स की सहभागिता से किया जा रहा है।प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन एम.के.एस. सुन्दरम् ने बताया कि इस महाकुंभ के तहत दस हजार युवाओं को देश और विदेश में रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे, जिनमें दो हजार नौकरियां विदेश में हैं। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के माध्यम से युवाओं को भाषा प्रशिक्षण और स्किल गैप को पूरा करने के अवसर मिलेंगे, ताकि वे देश और विदेश की प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार प्राप्त कर सकें।रोजगार महाकुंभ में टोकन प्रणाली के तहत उम्मीदवारों को अलग-अलग हॉल — मरकरी, एयर्थ, सैटर्न, नेपच्यून और दोपहर में मार्स हॉल — में व्यवस्थित किया गया, जिससे भीड़भाड़ को नियंत्रित किया जा सका।दिन के अंत तक कुल 7,479 उम्मीदवारों का चयन किया गया, जिसमें 6,947 को भारत में विभिन्न नौकरियों और 532 को संयुक्त अरब अमीरात स्थित 22 कंपनियों में रोजगार के लिए चुना गया।

अध्यक्ष राजस्व परिषद् उत्तर प्रदेश का आगरा मण्डल दौरा 28 से 30 अगस्त तक

लखनऊ। अध्यक्ष, राजस्व परिषद् उत्तर प्रदेश अनिल कुमार का आगरा मण्डल का दौरा 28 से 30 अगस्त, 2025 तक प्रस्तावित है। इस दौरान वे मण्डलायुक्त, जिलाधिकारी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर राजस्व विभाग से सम्बंधित कार्यों की गहन समीक्षा करेंगे।मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार, राजस्व परिषद् प्रदेश में डिजिटल कार्यप्रणाली को बढ़ावा देने, पारदर्शी प्रशासन स्थापित करने तथा जवाबदेह और नागरिक-हितैषी राजस्व ढांचे के निर्माण की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है। इसी क्रम में परिषद् की प्रक्रियाओं को अधिकतम डिजिटल स्वरूप में परिवर्तित करने का लक्ष्य है। बैठक में ई-ऑफिस, ऑनलाइन प्रमाणपत्र निर्गमन, भू-अभिलेखों का डिजिटलीकरण, जीआईएस मैपिंग और ड्रोन सर्वे जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।अगरा प्रवास के दौरान अध्यक्ष अनिल कुमार नागरिक सेवाओं के समयबद्ध निस्तारण, भूमि एवं संपत्ति से जुड़े विवादों के त्वरित समाधान, औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने हेतु भूमि प्रबंधन और भूमि बैंक के प्रभावी संचालन पर विशेष बल देंगे। साथ ही तहसीलों को "मॉडल तहसील" के रूप में विकसित करने के पहलुओं पर चर्चा की जाएगी।इस दौरे का उद्देश्य राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी, समयबद्ध और जनहितैषी बनाना है, ताकि जनता से जुड़ी समस्याओं का त्वरित और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके। अध्यक्ष इस अवसर पर लघु उद्यमियों से संवाद करेंगे और उद्योगों से जुड़े भू-राजस्व मुद्दों पर विचार-विमर्श कर समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाएंगे।

बीबीएयू में ' दीक्षारंभ-2025 ' का आयोजन, कुलपति बोले – नौकरी पाने नहीं, देने की सोच विकसित करें युवा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ में नए शैक्षणिक सत्र 2025-26 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए छात्र कल्याण अधिष्ठाता टीम की ओर से 'इंटरेक्शन सह इंडक्शन प्रोग्राम – दीक्षारंभ 2025' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के कुलपति प्रो. जे.पी. पाण्डेय मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रिसर्च फाउंडेशन के ट्रस्टी प्रो. पी. कंगासाबापति, डीन ऑफ अकेडमिक अफेयर्स प्रो. एस. विक्टर बाबू, डीएसडब्ल्यू प्रो. नरेंद्र कुमार तथा डिप्टी डीएसडब्ल्यू प्रो. तरूणा मंच पर उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और बाबासाहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर हुई। विश्वविद्यालय कुलगीत के पश्चात अतिथियों का स्वागत पौधा और शॉल भेंटकर किया गया। मंच संचालन का कार्य डॉ. तरूणा ने किया।कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि समय का सदुपयोग कर जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास प्रत्येक युवा की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज युवाओं को नौकरी पाने की बजाय नौकरी देने की सोच विकसित करनी होगी, क्योंकि नौकरियां सीमित हैं जबकि उद्यमिता की संभावनाएँ असीमित हैं। उन्होंने भारत के पास मौजूद 125 से अधिक यूनिकॉर्न कंपनियों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह देश में ऑर्गेनिक उद्यमिता के तेजी से विस्तार का प्रमाण है। प्रो. मित्तल ने पर्यावरण संरक्षण, समावेशी विकास और शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए पंचकोश – अन्नमय, प्राणमय, मनोमय, विज्ञानमय और आनंदमय कोश – के संतुलन को वास्तविक शिक्षा और समग्र विकास का आधार बताया।मुख्य अतिथि प्रो. जे.पी. पाण्डेय ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल ज्ञान का नहीं बल्कि प्रेरणा का केंद्र है। संघर्ष और चुनौतियाँ ही व्यक्ति को महान बनाती हैं।

उन्होंने 'TEAM – Together Everyone Achieve More' का सूत्र बताते हुए विद्यार्थियों से कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद आगे बढ़ने की क्षमता विकसित करनी होगी। प्रो. पाण्डेय ने कहा कि भारत को विश्व की प्रथम अर्थव्यवस्था बनाने की जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर है और आत्मबल व सामूहिक प्रयास ही देश को वैश्विक नेतृत्व की ओर ले जाएंगे।प्रो. पी. कंगासाबापति ने भारत के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज परिवर्तन का वास्तविक आधार है। उन्होंने कहा कि स्थानीय उद्यमिता समाज की जरूरतों के समाधान प्रस्तुत कर रही है और यही भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

लखनऊ कौशल महोत्सव की तैयारियों के लिए उच्च स्तरीय बैठक आयोजित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आगामी 17 और 18 सितंबर को लखनऊ में कौशल महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव की सुचारू रूप से तैयारी और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कौशल विकास मिशन मुख्यालय में अपर मिशन निदेशक प्रिया सिंह की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में गठित चार सदस्यीय टीम ने महोत्सव की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की और इसे सफल बनाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की। प्रतिभागियों की सुविधा, प्रशिक्षण साझेदारों की भागीदारी, उद्योगों के साथ समन्वय और युवाओं तक अधिकतम सूचना पहुँचाने के लिए रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया गया।अपर मिशन निदेशक प्रिया सिंह ने कहा कि लखनऊ कौशल महोत्सव युवाओं के लिए एक सशक्त अवसर होगा।

छात्र छात्राओं को दी गई साइबर अपराधों से बचाव की जानकारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। गोसाईगंज कोतवाली में साइबर सुरक्षा अभियान के तहत सुल्तानपुर रोड पर स्थित रामपाल त्रिवेदी इंटर कॉलेज में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं और एयरफोर्स विंग के एनसीसी कैडेट्स को साइबर अपराधों से बचाव के लिए जागरूक किया गया।

पुलिस अधिकारियों ने डिजिटल प्लेटफॉर्म के सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन सुरक्षा और साइबर धोखाधड़ी से बचने के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फिशिंग, ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी और सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत जानकारी साझा करने के खतरों से कैसे बचा जाए। छात्रों को सलाह दी गई कि वे मजबूत पासवर्ड का उपयोग करें। संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें।अपनी निजी जानकारी को सुरक्षित रखें।

इस अभियान को लखनऊ पुलिस की ओर से जोन दक्षिणी में चलाए जा रहे व्यापक साइबर सुरक्षा कार्यक्रम का हिस्सा बताया गया।इसकी जानकारी को स्कूलों और कॉलेजों के युवाओं को दी दी जा रही है साथ ही होने वाले खतरों से अवगत भी कराया जा रहा है। अधिकारियों की ओर से राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल और टोल-फ्री हेल्पलाइन 1930 के बारे में भी जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम से छात्रों में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी तो सभी ने सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार अपनाने का संकल्प लिया।

इस मौके पर स्थानीय थाने के उप निरीक्षक दिव्यांशु तिवारी, शुभम प्रताप सिंह, शुभम सिंह, महिला उप निरीक्षक सोनम राय और महिला कांस्टेबल दीपा चौधरी आदि मौजूद रहे।

डॉ . शुभम शुक्ला यूरोपियन रेस्पिरेटरी सोसाइटी ट्रैवल ग्रांट से सम्मानित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के डॉ. शुभम (जूनियर रेज़िडेंट -तृतीय वर्ष) को यूरोपियन रेस्पिरेटरी सोसायटी (ई.आर.एस) ट्रैवल ग्रांट से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें 8वीं वार्षिक पैक्स 2025 अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में प्राप्त हुआ है। सांस के रोगों पर आधारित यह अंतराष्ट्रीय सम्मेलन हाल ही में कौशांबी, गाजियाबाद में सम्पन्न हुआ है। पैक्स श्वसन रोगों के क्षेत्र में देश-विदेश के विशेषज्ञों का एक प्रतिष्ठित वार्षिक सम्मेलन है। इसमें पल्मोनरी मेडिसिन, क्रिटिकल केयर, एलर्जी, अस्थमा, टीबी, स्लीप मेडिसिन और इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी जैसे विषयों पर नवीनतम शोध, दिशा-निर्देश और तकनीकी प्रगति साझा की जाती है। यह मंच युवा चिकित्सकों और शोधकर्ताओं को अपने कार्य को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करने और विशेषज्ञों से संवाद का अवसर प्रदान करता है। पैक्स 2025 में देश-विदेश से आये सैकड़ों शोध-पत्रों में से पाँच सर्वोच्च पुरस्कार अत्यंत प्रतिस्पर्धी माने जाते हैं। इनमें से सर्वश्रेष्ट पुरस्कार के रूप में यूरोपियन रेस्पिरेटरी सोसायटी (ई.आर.एस.) ट्रैवल ग्रांट प्रदान किया जाता है। ट्रैवल ग्रांट एक वित्तीय सहायता है, जो शोधकर्ता या छात्र को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने और अपना शोध प्रस्तुत करने हेतु प्रदान की जाती है। इसमें यूरोपियन रेस्पिरेटरी सोसायटी की ओर से आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पंजीकरण, यात्रा तथा रहने आदि के लिए अनुदान पैक्स फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया जायेगा। यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सितम्बर 2026 में बार्सिलोना स्पेन में प्रस्तावित है।

डॉ. शुभम को यह उपलब्धि उनके शोध प्रस्तुतीकरण "गंभीर निमोनिया में स्टेरॉयड्स" विषय पर उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रदान की गई। यह अध्ययन गंभीर निमोनिया रोगियों के प्रबंधन में नये दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है और गहन चिकित्सा के क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भविष्य में गंभीर निमोनिया से पीड़ित रोगियों के उपचार में अत्यंत लाभकारी सिद्ध होने की सम्भावनाओं की ओर अग्रसर रहेगा।

इस उपलब्धि पर डॉ. शुभम ने कहा कि यह सम्मान केवल व्यक्तिगत प्रयास का परिणाम नहीं है, बल्कि विभाग की सामूहिक मेहनत और टीमवर्क का प्रतीक है। उन्होंने विभागाध्यक्ष प्रो. सूर्यकान्त तथा अपने मार्गदर्शक प्रो. संतोष कुमार के साथ-साथ विभाग के सभी चिकित्सा शिक्षको, सहकर्मी रेज़िडेंट्स और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों का भी आभार व्यक्त किया। उनके सहयोग और समर्पण के बिना यह शोध संभव नहीं हो पाता। विभागाध्यक्ष डा. सूर्यकान्त ने बताया कि यह उपलब्धि न केवल डॉ. शुभम के लिए गौरव का क्षण है, बल्कि केजीएमयू के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग की शैक्षणिक उत्कृष्टता और रोगी देखभाल में निरंतर प्रगति का भी प्रतीक है। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद ने भी डॉ. शुभम को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी है।

डा. सूर्यकान्त ने यह भी बताया कि इससे पूर्व भी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के लिए ट्रैवल ग्रांट विभाग के अन्य प्रतिभाशाली युवा चिकित्सकों एवं शोधकर्ताओं जैसे ''डॉ. अंकित भाटिया, डॉ. आनंद मौर्य, डॉ. रजनीकांत शुक्ला, डॉ. अभिषेक दुबे तथा डॉ. सीमा सिंह'' को प्रदान की जा चुकी है। यह परंपरा विभाग की समृद्ध शैक्षणिक संस्कृति और निरंतर शोध उत्कृष्टता को दर्शाती है, जहाँ से लगातार युवा चिकित्सक अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विश्वविद्यालय और देश का नाम रोशन कर रहे हैं। ज्ञात रहे कि विभागाध्यक्ष डा. सूर्यकान्त को स्वयं भी विश्व के सर्वोच्च दो प्रतिशत वैज्ञानिको की सूची में स्थान प्राप्त है।

लखनऊ नगर निगम का सख्त रुख, 24 भवन सील, 11 .44 लाख की वसूली

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ ने संपत्ति कर न चुकाने वाले बड़े बकायेदारों के खिलाफ मंगलवार को सख्त कार्रवाई की। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर निगम की टीमें अलग-अलग जोनों में उतरीं और सघन अभियान चलाकर मौके पर ही कई बकायेदारों को बकाया जमा करने पर मजबूर किया। इस दौरान कुल ग्यारह लाख 44 हजार 715 रुपये की वसूली की गई, जबकि चेतावनी और नोटिस के बावजूद कर न जमा करने वाले 24 भवनों को सील कर दिया गया।अभियान के तहत जोन-1 क्षेत्र में अवेज खान, मालती पाण्डेय, अरुण पाण्डेय, गोल्ड ऑफ़सेट प्रिंटर्स तथा ए.के.जी. कन्सलटेन्ट्स लिमिटेड (नर्सिंग होम) के भवन सील किए गए। जोन-2 में ममता अग्रवाल और अजय चन्द्र अग्रवाल ने मौके पर तीस-तीस हजार रुपये जमा किए, जबकि महमूद आलम का भवन सील कर दिया गया। जोन-3 क्षेत्र में बड़े लाल शर्मा और दिलीप कुमार ने क्रमशः तीस और पच्चीस हजार रुपये चुकाए, वहीं केदारनाथ अग्रवाल, गोल्डन प्लाजा, रचना गुप्ता, अशोक और जहीरउद्दीन के भवन सील कर दिए गए। जोन-4 में रुखसाना मकसूद, सरोजनी वर्मा, रजनी बाला, आरती शुक्ला और राधा यादव से बड़ी रकम वसूली गई, जबकि विभूति खंड निवासी इन्द्र पाल खुराना का भवन सील कर दिया गया।जोन-5 क्षेत्र में यशपाल मेहरा, मधु अरोड़ा, ओमप्रकाश और आदित्य-तेजस प्रकाश ने कर जमा किया, जबकि सीमा सिंह का भवन सील कर दिया गया।

संघ प्रमुख के व्याख्यान से साफ होगी वैचारिक तस्वीर

संवाद और शास्त्रार्थ की परंपरा वाले देश में हाल के दिनों में सार्वजनिक चर्चाओं की गुंजाइश लगातार कम हुई है। इसे कभी असहिष्णुता तो तभी दूसरे विचार की उपेक्षा के तौर पर देखा गया है। देश के सर्वोच्च लोकतांत्रिक पद प्रधानमंत्री तक से शिकायत है कि संवाद नहीं रहा। ऐसे माहौल में अगर देश का पुराना संगठन और उसका प्रमुख खुद संवाद के लिए आगे आता है तो उसका भी स्वागत होना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन राव भागवत की दिल्ली में होने जा रहे संवाद कार्यक्रम के जरिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने खुद पर उठने वाले सामाजिक और राजनीतिक सवालों के साथ ही आक्षेपित आरोपों पर जवाब देने की तैयारी है। इस कार्यक्रम के लिए राजनीतिक दलों की हस्तियों को भी आमंत्रित किया गया है, देखना है कि कितने दलों के लोग इसमें शामिल होते हैं।

संघ प्रमुख इसके पहले साल 2018 में भी इसी तरह का व्याख्यान दे चुके हैं। जिसमें संघ प्रमुख मोहन राव भागवत ने संगठन के विचारों से उन लोगों का परिचय कराने की कोशिश की थी, जो संघ से परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से नहीं जुड़े हैं। संघ से जो जुड़े हैं, जो उसके कार्यकर्ता हैं, जो स्वयंसेवक हैं, वे जानते हैं कि संघ है क्या, संघ की सोच क्या है और संघ किन विचारों के साथ आगे बढ़ रहा है। बहरहाल साल 2018 का वह आयोजन सिर्फ दिल्ली में हुआ था। संघ ने इस बीच अपनी स्थापना की शतकीय यात्रा पूरी करने की ओर है। विजयादशमी के दिन साल 1925 में स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस विजयादशमी को अपनी सौ साल की गौरवपूर्ण यात्रा पूरी कर लेगा। जाहिर है कि यह संघ शताब्दी वर्ष है, इस लिहाज से इस बार संघ की कोशिश अपने विचार को जन-जन और हर परिवार तक पहुंचाने की है। यही वजह है कि इस बार मोहन राव भागवत का यह संवाद कार्यक्रम इस बार बेंगलुरु, कोलकाता और मुंबई में संघ में भी आयोजित किया जाना है। संघ के आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि हो सकता है कि इसके अलावे भी अन्य जगहों पर भी व्याख्यान आयोजित किए जाएं। किसी संगठन का सौ साल पूरा कर लेना मामूली बात नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी 100 साल की यात्रा में समाज के हर वर्ग तक पहुंचने की कोशिश की है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने मोहन राव भागवत के इस शताब्दी व्याख्यान के लिए गंभीर तैयारियां की हैं। संघ ने आगंतुकों के लिए 17 श्रेणियां और 138 उप-श्रेणियां बनाई हैं। संघ सर्वदा यह जताने की कोशिश करता रहा है कि उसकी सोच, उसका विचार अन्य लोगों से अलग नहीं है। संघ को उसके विरोधियों ने भले ही कभी अछूत तो कभी सांप्रदायिक कहने की कोशिश की हो, लेकिन संघ ने उनके प्रति भी कभी वैमनस्यबोध नहीं रखा और ना ही उनके साथ कोई छुआछूत की भावना रखी। संघ के कई वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के अनुभवों से गुजरते हुए पता चला है कि उन्हें विरोधी राजनीतिक विचारधारा वाले नेताओं और बड़ी हस्तियों तक से मिलने, साथ चाय-पानी करने, भोजन करने, सहयोग करने-कराने तक का अवसर मिला है। संघ जरूर एक बात पर जोर देता है कि उसकी सोच भारत की स्थापित और मूल्यवान परंपराओं से प्रभावित है। संघ भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में गहराई से विश्वास करता है, इसीलिए वह हर भारतीय मे हिंदुत्व के मूल को देखने-समझने की कोशिश करता रहा है। संघ पर गांधी जी को लेकर कई मिथ्या आरोप लगते रहे हैं। लेकिन सच यह भी है कि गांधी जी संघ के वर्ग को देखने गए थे। 27 सितंबर 1947 के हरिजन के अंक में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, साल 1936 में वर्धा के पास लगे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिविर में गांधी जी गए थे। उसके अगले दिन गांधी जी के वर्धा स्थित तत्कालीन निवास पर डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने भेंट की थी। माना जा रहा है कि संघ प्रमुख के कल से होने वाले व्याख्यान में एक बार फिर इसकी चर्चा हो सकती है। चूंकि संघ का दृष्टिकोण राष्ट्र की प्रगति के लिए सभी के साथ मिलकर काम करना है। लिहाजा संघ के इस व्याख्यान का एक उद्देश्य यह भी है कि वह अपनी सौ साल की विकास यात्रा में समूचे देश के साथ जुड़े और समूचा देश एक साथ आगे बढ़ता रहे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पंच परिवर्तन के सिद्धांत स्वीकार रखा है और इन्हीं बिंदुओं पर समाज के बीच काम कर रहा है। संघ के पंच परिवर्तन का पहला बिंदु है, ससामाजिक समरसता। इसके तहत संघ और उसके असंख्य कार्यकर्ता लगातार समाज के विभिन्न वर्गों के बीच सौहार्द और प्रेम बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए काम कर रहे हैं। संघ के पंच परिवर्तन का दूसरा महत्वपूर्ण बिंदु है कुटुम्ब प्रबोधन, जिसके तहत संघ की कोशिश राष्ट्र के विकास में परिवार को महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली इकाई के रूप में संवर्धित करने के प्रयासों में लगातार जुटा है। पंच परिवर्तन के तीसरे बिंदु पर्यावरण संरक्षण के तहत संघ पृथ्वी को माता तो मानता ही, इसी आधार पर पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार सक्रिय रहता है और अपने स्वयंसेवकों के साथ ही समाज से ही आशा करता है कि वह भी ऐसा ही करे। पंच परिवर्तन के चौथे बिंदु स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के तहत संघ अपने विभिन्न सहयोगी संगठनों और प्रकल्पों के माध्यम से लगातार देश की स्वदेशी अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भरता की दिशा में काम कर रहा है।

चुनाव आयोग ने एसआईआर पर मांगा जनता का 'सर्टिफिकेट', वोट चोरी के आरोपों के बीच पांच सवाल पूछकर मांगा जवाब

राजनीतिक विज्ञान के विशेषज्ञ धीरेंद्र कुमार ने अमर उजाला से कहा कि समय-समय पर मतदाता सूची को अपडेट करना चुनाव आयोग का दायित्व है।

अमित शर्मा

चुनाव आयोग ने पांच सवाल पूछकर एसआईआर पर जनता की राय मांगी है। इन सवालों में पूछा गया है कि क्या मतदाता सूची की गहन जांच होनी चाहिए या नहीं। मृत लोगों, दो या अधिक स्थानों पर मतदाता बने लोगों के नाम मतदाता सूची से हटने चाहिए या नहीं। चुनाव आयोग ने जनता से इस बात पर भी अपनी राय देने के लिए कहा है कि क्या दूसरे स्थान पर चले गए लोगों या विदेशी लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने चाहिए, या नहीं? ये वही बुनियादी सवाल हैं जिनको लेकर चुनाव आयोग ने बिहार में विशेष मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम किया है।

राजनीतिक विज्ञान के विशेषज्ञ धीरेंद्र कुमार ने अमर उजाला से कहा कि समय-समय पर मतदाता सूची को अपडेट करना चुनाव आयोग का दायित्व है। इसके लिए संविधान में उसे शक्ति और जिम्मेदारी दी गई है। लेकिन आज चुनाव आयोग ने जो सवाल पूछे हैं, उसे देखकर यही कहा जा सकता है कि कहीं न कहीं चुनाव आयोग विपक्ष के वोट चोरी के आरोपों को लेकर दबाव में है। वह अपनी छवि बचाने के लिए सीधे जनता के दरबार में पहुंच गया है।

धीरेंद्र कुमार ने कहा कि देश की राजनीति के लिए यह तस्वीर सही नहीं है। किसी भी संवैधानिक संस्था का कार्य राजनीति का विषय नहीं बनना चाहिए। देश के स्वस्थ लोकतंत्र के लिए यही आवश्यक है कि हर संवैधानिक संस्था अपने-अपने दायित्यों को पूरा करे। यह प्रक्रिया इतनी पारदर्शी और निष्पक्ष होनी चाहिए कि इस पर किसी को कोई संदेह न हो।

उन्होंने कहा कि बिहार की जनता राजनीतिक तौर पर बहुत परिपक्व है। यदि किसी वैध मतदाता का नाम मतदाता सूची से हटेगा तो बिहार का मतदाता इसे कतई स्वीकार नहीं करेगा और इसको लेकर बड़ा राजनीतिक हंगामा खड़ा हो सकता है। लेकिन इस मामले पर जनता की तरफ से अब तक कोई विरोध न होना इस बात का प्रमाण है कि जनता को एसआईआर से कोई शिकायत नहीं है और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर उसका भरोसा बरकरार है।

राजनीतिक विश्लेषक डॉ. परमवीर सिंह ने कहा कि पिछले 10-12 साल में देश में एक नई तरह की राजनीति पैदा हुई है। इसमें कभी सेना से तो कभी अदालतों से अपने कार्यों के लिए प्रमाण मांगा जा रहा है। सेना ने जिस तरह ऑपरेशन सिंदूर के बाद पूरे देश को वीडियो दिखाकर अपने शौर्य का प्रमाण दिया है, यह भी विपक्ष के उन्हीं आरोपों का परिणाम है जो बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद उठाए गए थे।

ऐसे में संभवतः चुनाव आयोग भी जनता की राय के द्वारा अपने कार्यों को सही प्रमाणित कराना चाहता है। हालांकि, उनकी राय है कि इस तरह से किसी संवैधानिक संस्था को सीधे विपक्ष की राजनीति के दबाव में आकर सवाल-जवाब नहीं करना चाहिए। लेकिन चुनाव आयोग की यह मर्यादा भी एक तरफा नहीं हो सकती। विपक्ष को भी अपने आरोप-प्रत्यारोप की सीमा तय करनी चाहिए।

कांग्रेस प्रवक्ता अनुज अत्रि ने अमर उजाला से कहा कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है। उसके कार्य और जिम्मेदारी संविधान और देश की जनता के प्रति होती है। लेकिन चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली ने विपक्ष के साथ-साथ जनता के मन में भी गहरे सवाल पैदा किए हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को अपने सवाल पूछने की बजाय उन सवालों के जवाब देने चाहिए जिसे राहुल गांधी ने उठाए थे।

अनुज अत्रि ने कहा कि चुनाव आयोग के पास इन सवालों के क्या जवाब हैं कि महाराष्ट्र में मतदान का समय खत्म होने के बाद भी मतदान करने दिया गया। चुनाव आयोग को यह भी बताना चाहिए कि आज के डिजिटल युग में मतदान की संख्या और प्रतिशत तुरंत मिलने की बजाय दो-तीन दिन बाद तक अपडेट किए जाते रहे। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग इन प्रश्नों की आड़ में उन सवालों से नहीं बच सकता जो इस समय जनता के मन में उठ रहे हैं।

राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने अमर उजाला से कहा कि विशेष मतदाता पुनरीक्षण से किसी को कोई आपत्ति नहीं है। मृत लोगों और दूसरे स्थान पर चले गए लोगों के नाम भी मतदाता सूची से अवश्य हटने चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को सवाल पूछने की बजाय विपक्ष के इन सवालों का जवाब देना चाहिए कि एसआईआर का काम बारिश के समय क्यों किया जा रहा है। चुनाव आयोग को यह भी बताना चाहिए कि उसने सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय आने के पहले आधार को पहचान पत्र के तौर पर स्वीकार क्यों नहीं किया।

मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि जिस तरह से कई राज्यों में चुनाव हुए हैं और मतदान में गड़बड़ियां पाई गई हैं, उनको देखते हुए चुनाव आयोग को अपनी कार्य प्रणाली दुरुस्त करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग कोई राजनीतिक दल नहीं है कि उससे सवाल-जवाब किया जाए, लेकिन वह एक संवैधानिक संस्था है और उसे सबकी बात सुनते हुए देश की जनता के हित में काम करना चाहिए।

अजब-गजब

पानीपुरी के साथ महिला ने ये क्या किया? वीडियो देख आप भी कहेंगे- 'अरे भाई, बस करो!'

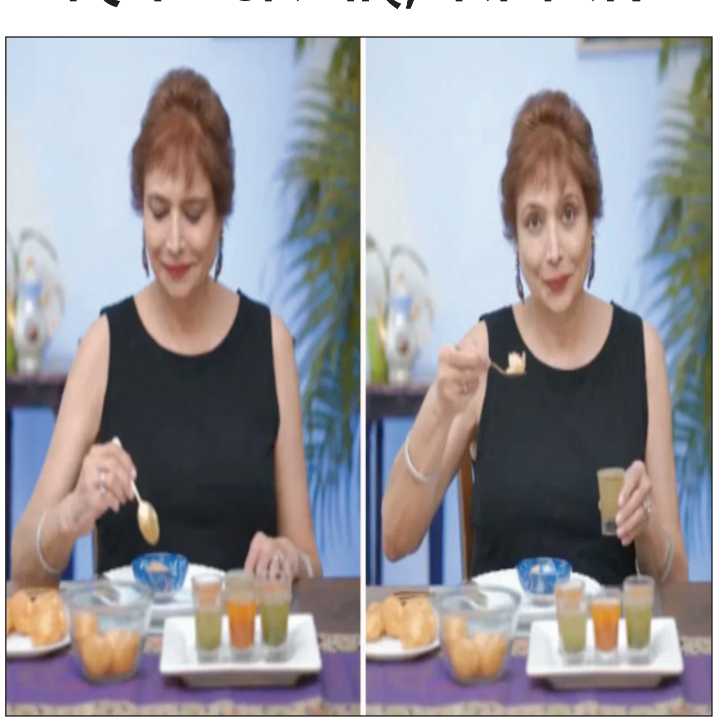

पानीपुरी, गोलगप्पे या पानी बताशे...ये भारत का वो स्ट्रीट फूड, जिसे हर कोई हाथों से खाने का लुत्फ उठाता है। लेकिन आपके इस फेवरेट स्ट्रीट फूड को दिल्ली की एक पर्सनैलिटी डेवलपमेंट कोच ने 'सभ्यता' का चोला पहना दिया है। प्रिया वारिक नाम की इस कोच ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह गोलगप्पों को हाथों से नहीं, बल्कि कांटे और चम्मच से खाती नजर आ रही हैं।

वायरल हो रहे इस वीडियो में प्रिया बताती हैं कि हाथों से पानीपुरी का लुत्फ उठाना कैसे आपके मेकअप को खराब कर सकता है। इसके बाद वह एक कांटे और एक चम्मच की मदद से एक गोलगप्पा उठाती हैं, और फिर चम्मच से उसे तोड़कर खाती हैं। यही नहीं, वह मसालेदार पानी को एक कप में डालकर पीती हैं।

पर्सनैलिटी डेवलपमेंट कोच प्रिया ने यह वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, मेकअप या अपनी शान से समझौता किए बिना पानीपुरी का स्वाद लेना मुमकिन है। इसलिए लेडीज, अपना मेकअप खराब न करें और ये हैक ट्राय करें।

हालांकि, जैसे ही यह वीडियो वायरल हुआ लोगों ने इस पर तीखी प्रतिक्रियाएं देना शुरू कर दी। जहां कुछ लोग इसे मजाक मान रहे हैं, तो कुछ इसे इंडियन स्ट्रीट फूड के अपमान की तरह देख रहे हैं। ज्यादातर यूजर्स ने कोच प्रिया की टेक्नीक की आलोचना करते हुए उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया।

एक यूजर ने भड़कते हुए लिखा, इसकी कतई जरूरत नहीं थी। इसे देखना ही बहुत दर्दनाक है। दूसरे ने कहा, मेकअप बिना रह लूंगी, पर पानीपुरी का इस तरह अपमान बर्दाश्त नहीं करूंगी। एक अन्य यूजर ने तो यह तक कह दिया, मेकअप के लिए आइकॉनिक स्ट्रीट फूड का अपमान कतई सहन नहीं होगा। बेहतर होगा कि आप एक एक्स्ट्रा मेकअप का सामान पर्स में रखें, और टच अप करती रहें।

ब्लॉग

मध्यमवर्गीय परिवारों को सुरक्षा प्रदान करेगा ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध का नया कानून

मृत्युंजय दीक्षित

संसद का मानसून सत्र वैसे तो विपक्षी दलों के हंगामे की बारिश में बह गया किंतु केंद्र सरकार ने इसमें भी जनता के हितों की सुरक्षा करते हुए कई महत्वपूर्ण विधायी कार्यों को निपटाया और जनमहत्व के कई क्रांतिकारी विधेयक पारित करवाने में सफलता प्राप्त की। यदि विपक्ष इन विधेयकों को पारित करवाने में सरकार के साथ सहयोग करता और सदन में बहस होती तो यह विधेयक और भी अधिक लाभकारी बनाए जा सकते थे किंतु विपक्ष ने बहस में भाग न लेकर यह अवसर गँवा दिया।

केंद्र सरकार ने मध्यमवर्गीय परिवारों को आर्थिक नुकसान, युवाओं को ऑनलाइन गेमिंग की लत से बचाने तथा नुकसान होने पर आत्महत्या करने व अपराध जगत में जाने से बचाने के लिए "प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ आनलाइन गेमिंग बिल- 2025" को संसद के दोनों सदनों से पारित करवा लिया। अब इस बिल को राष्ट्रपति की भी अनुमति मिल गई है। इस बिल के पारित होने के बाद से ही अनेक कंपनियों ने ऑनलाइन मनी गेम्स एप बंद करने प्रारंभ कर दिए।

नए कानून में आनलाइन मनी गेमिंग की सुविधाएं देने वालों पर तीन साल तक की कैद और एक करोड़ रुपए के जुर्माने तक का प्रावधान है। ऐसे प्लेटफार्म का विज्ञापन या प्रचार करने पर भी दो साल तक की सजा और 50 लाख तक का जुर्माना हो सकता है। अब सरकार का फोकस रियल मनी आनलाइन गेम पर रोक लगाने की रहेगी। विधेयक के अनुसार एक नियामक प्राधिकरण बनाने पर भी काम चल रहा है जो आनलाइन गेमिंग क्षेत्र की देखरेख करेगा। कानून का असर उसके बन जाने के पूर्व से ही दिखने लगा क्योकि इसमें 25 करोड़ से अधिक यूजर्स वाली गेमिंग कंपनी जिसमे विंजी भी शामिल है ने अपना आधिकारिक बयान जारी कर अपनी सेवाओं को वापस लेने की घोषणा कर दी। इसके साथ ही ड्रीम-11, रमी सर्कल जैसी प्रमुख कंपनियों ने भी अपने गेम्स को हटाना प्रारंभ कर दिया है। एमपीएल और जुपी ने भी अपना कारोबार समेट लिया है।

भारत में आनलाइन गेमिंग बड़ा कारोबार बन चुका है इसमें लगभग 400 कंपनियां काम कर रही थीं और लगभग दो लाख युवा काम कर रहे थे । कंपनियों में 25 हजार करोड़ का निवेश था जिसमें एफडीआई भी शामिल था। सरकार ने आनलाइन गेमिंग एप पर प्रतिबंध लगाकर अपनी आमदनी का भी नुकसान किया है क्योंकि यह कंपनियां जीएसटी में भी 20 हजार करोड़ का योगदान कर रही थीं। वर्तमान समय में भारत में 1800 गेमिंग स्टार्टअप्स चल रहे थे। सरकार ने अपना मुनाफा त्यागकर मध्यमवर्गीय परिवार के जो लोग हर वर्ष आनलाइन गेमिंग एप्स के चक्कर में पड़कर 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक गंवा देते थे उनका धन बचाने के लिए यह कानून पारित करवाया है। आनलाइन गेमिंग से हर साल 45 करोड़ लोगों को नुकसान होता है।

सरकार को इस बात की पूरी जानकारी थी कि आनलाइन गेमिंग एप्स पर प्रतिबंध लगाने से उसे भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है और उद्योग समूहों ने सरकार को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा भी था कि अगर प्रतिबंध लागू हुए तो बड़े पैमाने पर नुकसान होगा तब भी सरकार ने आम जनता और समाज को हो रहे नुकसान को रोकने के लिए यह कड़ा कदम उठाया। सरकार को यह भी पता है कि इस खेल में बहुत बड़े -बड़े लोग शामिल हैं । उद्योगपति से लेकर खेलों की दुनिया के महारथियों से लेकर शेयर बाजार की उठापटक करवाने वालों से लेकर राजनीति में उथल -पुथल करवाने वाले लोग भी इस खेल में शामिल हैं फिर भी सरकार ने इस खेल को प्रतिबंधित कर दिया है। सरकार को पता है कि इसमें शामिल बहुत से लोग कोर्ट चले जाएंगे तब भी सरकार युवाओं के भविष्य को बचाने के लिए संकल्पबद्ध व अडिग है। कानून को कोर्ट में चुनौती के लिए भी सरकार ने तैयारी कर ली है।

विश्व भर की आनलाइन गेमिंग कंपनियों की नजर भारत पर है क्योंकि भारत विश्व का सातवां सबसे बड़ा गेमिंग बाजार है। जैसे ही यह कानून पारित होने की खबर सामने आई वैसे ही ऑनलइान गेमिंग एप्स की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई। सदन में बिल पारित होते समय केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ऑनलाइन मनी गेमिंग को विकार घोषित किया है। उन्होंने कहा कि रोगों के अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरण आईसीडी -11 ने इसे गेमिंग विकार घोषित किया है। आनलाइन मनी गेमिंग सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा बन गया है ।इसके कारण लोग मनोवैज्ञानिक विकारों और जुनूनी व हिंसक व्यवहार के शिकार हो रहे हैं। यही नहीं आनलाइन गेमिंग के कारण भारत की परिवार संस्कृति पर भी गहरी चोट पहुंच रही है। घरों में बुजुर्गों से लेकर छोटे- छोटे बच्चे तक आनलाइन गेमिंग की लत के ऐसे शिकार हो गये हैं कि उनमें एक -दूसरे को पहचानना व बात करना तक बंद हो गया है, बात होती है तो केवल टास्क पर होती है कौन हारा -कौन जीता पर होती है।

आनलाइन गेमिंग एक महत्वपूर्ण विषय हे जो डिजिटल दुनिया में व्यापक पैमाने पर उभर रहा है। इसके तीन सेगमेंट हैं जिसमें पहला ई स्पोटर्स है जिसमें टीम बनाकर खेलते हैं, मंथन होता है इसमें हमारे खिलाड़ियों ने पदक भी जीते हैं। इस विधेयक में उसे प्रोत्साहित किया जाएगा। दूसरा सेगमेंट आनलाइन सोशल गेम्स हैं जैसे सोलिटेयर, सुडोकू ,शतरंज आदि उन्हें भी बढ़ावा दिया जाएगा। तीसरा है आनलाइन मनी गेम्स जो चिंता का विषय हैं । इसकी एल्गोरिदम अस्पष्ट है, कभी -कभी यह जानना भी मुश्किल होता है कि आप किसके साथ खेल रहे हैं।

आनलाइन मनी गेमिंग एप्स पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून लंबे विचार विमर्श के बाद संसद से पारित कराया गया है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तिगत प्रयासों का प्रतिफल है कि यह आज कानून बन गया है। कानून बनाते समय प्रधानमंत्री मोदी उन परिवारों की भावुक अपीलों से भी प्रेरित हुए जिन्होंने आनलाइन मनी गेम्स में अपने लोगों को खोया। ई -स्पोर्ट्स का सपना देखने वाले युवाओं की कहानियों के सथ कर्ज, लत और निराशा की सत्यता भी जुड़ी थी। इसी मुद्दे पर वित्त, खेल और आईआी मंत्रालय ने मिलकर एक खाका तैयार किया और प्रधानमंत्री मोदी से चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस विषय पर काम कर रहे युवा विशेषज्ञों के साथ व्यापक चर्चा की तब जाकर यह ऐतिहासिक कानून पारित हुआ है।

बड़ी मानवीय त्रासदी - आनलाइन गेमिंग एक बड़ी मानवीय त्रासदी सिद्ध हुई है जिसमें कर्नाटक में 3 साल में ही 18 लोगों ने आत्महत्या कर ली। मैसूर में 80 लाख हारने के बाद एक परिवार ने आत्महत्या कर ली। मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में भी आत्महत्या व हत्या के अनेक समाचार प्रकाशित हुए जिसका कारण आनलाइन गेमिंग रहा।आनलाइन गेमिंग के माध्यम से ठगों का एक बहुत बड़ा साम्राज्य भी अपना काम कर रहा था जो अब पकड़ में आ रहा है।

विधेयक पारित होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि, "द प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ आनलाइन गेमिंग बिल 2025 भारत को गेमिंग नवाचार और रचनात्मकता का केंद्र बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह ई-स्पोंट्स और आनलाइन सोशल गेम्स को प्रोत्साहित करेगा।साथ ही यह हमारे समाज को आनलाइन मनी गेम्स के हानिकारक प्रभावों से भी बचाएगा।"

50 करोड़ की जमीन, 5 लाख की सुपारी... वाराणसी में प्रॉपर्टी डीलर मर्डर का मास्टरमाइंड अरेस्ट, पूर्वांचल से लेकर बिहार तक का कनेक्शन

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के सारनाथ थात्रा क्षेत्र में जमीनी विवाद में हुए हत्याकांड मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने हत्याकांड के मास्टरमाइंड जोगेंद्र यादव को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, जमीनी विवाद में जोगेंद्र यादव ने महेंद्र गौतम की हत्या का प्लान बनाया था। 50 करोड़ की जमीनी विवाद में महेंद्र गौतम को रास्ते से हटाने के लिए आरोपियों ने 5 लाख रुपए की सुपारी दी थी। हालांकि पुलिस अभी तक हत्याकांड को अंजाम देने वाले शूटर्स को गिरफ्तार नहीं कर सकी है।

वाराणसी के सारनाथ थानाक्षेत्र के अरिहंत नगर में हुए महेंद्र गौतम हत्याकांड मामले में वाराणसी पुलिस कमिश्ननरेट को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने मुख्य आरोपी जोगेंद्र यादव को मास्टर माइंड के तौर पर पेश किया है। जोगेंद्र यादव भी जमीन का ही काम करता है और ये हत्या भी जमीन के ही मामले में हुई। जोगेंद्र यादव ने चंदन शुक्ला, श्यामप्रकाश राजभर और मोहम्मद मुकीम के साथ मिलकर इस हत्याकांड को अंजाम दिया। हालांकि अभी हत्या करने वाले शूटर गिरफ्तार नहीं हुए हैं।

क्या बोले डीसीपी?

डीसीपी वरुणा प्रमोद कुमार ने बताया कि जोगेंद्र यादव मुंबई में रहकर जमीन का धंधा करता था लेकिन वहां मामला जमा नहीं और किसी मामले में वहां उसपर मुकदमा भी हो गया था। जोगेंद्र मुंबई छोड़कर बनारस आ गया था और सारनाथ इलाके में जमीन का कारोबार करने लगा। जोगेंद्र यादव को लगा कि महेंद्र गौतम उसके रास्ते में रोढ़ा बन रहा है। सारनाथ के सिंहपुर में 4 I5 बिस्वा जमीन के मामले में जोगेंद्र का महेंद्र गौतम के साथ रास्ते को लेकर विवाद हुआ, जिसमें जोगेंद्र को 1 I25 करोड़ का नुकसान हुआ।

5 अगस्त को रची थी साजिश

जोगेंद्र यादव ने ये तय कर लिया था कि महेंद्र गौतम की हत्या करानी ही पड़ेगी। महेंद्र गौतम को बिना हटाए बनारस के सारनाथ में जमीन का धंधा करना संभव नही है। जोगेंद्र ने जौनपुर और गाजीपुर से शूटर को बुलाया था और मुंगेर के मुकीम को हथियार के लिए सेट किया था। हत्याकांड को अंजाम देने से पहले 5 अगस्त को अरिहंत नगर इलाके में रेकी की गई और जिस रास्ते महेंद्र घर से अपने ऑफिस जाता था। उस रास्ते पर इन आरोपियों ने रिहर्सल भी किया था।

बदमाशों ने मारी थी तीन गोलियां

महेंद्र गौतम बाइक से अपने ऑफिस जा रहे थे। करीब सौ मीटर पहले स्पीड ब्रेकर पर उन्होंने जैसे ही अपनी बाइक धीमी की इस दौरान तीन बदमाशों ने उन्हें ओवरटेक करके कनपटी पर गोली मार दी। ओवरटेक कर गोली चलाने वाले तीन लोग एक ही बाइक पर सवार थे। तीनों ही नकाबपोश थे। महेंद्र गौतम को तीन गोली मारी गई जिसमें एक कनपटी और एक गर्दन में लगी। गोली लगते ही महेंद्र बाइक से गिर पड़े थे। तीनों बदमाशों ने अपने मुंह बांध रखे थे। वारदात के बाद बदमाश रिंग रोड की तरफ भाग निकले। बदमाशों के जाने के बाद आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे थे। मोहल्ले के ही रहने वाले परिचित ने घायल महेंद्र को मलदहिया स्थित एक निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

साथियों के साथ मिलकर रची थी साजिश

सारनाथ इलाके में ही कैलाश नाथ शुक्ला की करीब चालीस बिस्वा जमीन थी जिसकी कीमत करीब 50 करोड़ रुपए थी। इस जमीन का सौदा भी महेंद्र गौतम कर रहा था। इस सौदे में श्याम प्रकाश राजभर और चंदन शुक्ला को नुकसान हो रहा था। जोगेंद्र यादव ने चंदन शुक्ला और श्याम प्रकाश राजभर के साथ मिलकर महेंद्र गौतम को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया था। जिसके बाद इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया था।

महिला अधिकारों की सुरक्षा पर खास जोर, बाराबंकी आएगी महिला आयोग की डॉ. बबीता सिंह चौहान

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान (राज्य मंत्री स्तर) गुरुवार 28 अगस्त को जनपद के दौरे पर आ रही हैं। इस दौरान वह महिलाओं से जुड़ी शिकायतों को सुनेंगी, विभागीय योजनाओं की समीक्षा करेंगी और महिला उत्पीड़न मामलों पर अधिकारियों से रिपोर्ट भी लेंगी।

जनसुनवाई में रख सकेंगी महिलाएं अपनी समस्या

डीआरडीए सभागार, कलेक्ट्रेट कैंपस में पूर्वान्ह 11 बजे से पीड़ित महिलाओं की जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। जिला प्रोबेशन अधिकारी *सूरज सिंह* ने बताया कि जिन महिलाओं को अपनी समस्या अध्यक्ष महोदया के समक्ष रखनी है, वे प्रार्थना-पत्र के साथ मौके पर उपस्थित होकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकती हैं।

चिकित्सालय से लेकर महिला बंदीगृह तक निरीक्षण

कार्यक्रम के अनुसार डॉ. चौहान सुबह 10 बजे जिला महिला चिकित्सालय पहुंचेंगी, जहां "जागो री जागो" संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर नवजात कन्याओं को बेबी किट और माताओं को फल वितरित करेंगी। इसके बाद 11: 00 बजे से डीआरडीए सभागार में महिला जनसुनवाई और महिला कल्याण, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा, बाल विकास, अल्पसंख्यक कल्याण, पंचायती राज और कौशल विकास विभाग सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक होगी। पुलिस अधीक्षक व महिला थानाध्यक्ष के साथ महिला उत्पीड़न मामलों पर विशेष चर्चा की जाएगी। दोपहर 2:50 बजे वह महिला बंदीगृह का निरीक्षण करेंगी और 3:50 बजे लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगी।

महिला सशक्तिकरण पर खास फोकस

महिला आयोग की अध्यक्ष का यह दौरा प्रदेश की महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकार सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। राज्य महिला आयोग ने स्पष्ट किया है कि महिलाओं की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित कराना प्राथमिकता में है।

गाजियाबाद में राखी पहलवान का धरना, पति और ससुराल वालों से विवाद ; छठे दिन भी अनशन जारी

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में जिला कलेक्ट्रेट के सामने एक महिला पहलवान पारिवारिक विवाद के चलते धरने पर बैठ गई। महिला पहलवान का आरोप है कि उसके पति ने उसे बिना बताए तलाक दे दिया, जिसके बाद वो न्याय की मांग कर रही है। दरअसल, महिला पहलवान राखी ने भुवनेश शर्मा नाम के व्यक्ति से लव मैरिज की थी। महिला ने बताया कि उसका पति भुवनेश शर्मा मुंबई में एक निजी कंपनी में काम करता है। शादी के कुछ दिन बाद पति-पत्नी के बीच विवाद शुरू हो गया था।

गाजियाबाद में एक महिला पहलवान जिला कलेक्ट्रेट के सामने धरने पर बैठ गई है। महिला पहलवान के धरने पर बैठने की वजह पति और ससुराल वालों से विवाद बताया जा रहा है। धरने पर बैठी महिला पहलवान का नाम राखी है।

दरअसल, बीते दिन मंगलवार को महिला आयोग की सदस्य हिमानी अग्रवाल ने धरने पर बैठी महिला पर पहलवान राखी से मुलाकात की थी। धरने पर बैठी महिला पहलवान ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर 12 पदक जीत रखे हैं लेकिन इसके बाद वह प्रेम संबंध में अपना दिल भुवनेश शर्मा नाम के व्यक्ति को दे बैठी। इसके बाद दोनों ने लव मैरिज करता है।

पति ने कोर्ट में दी तलाक की अर्जी

महिला पहलवान राखी का विवाह जुलाई 2024 में घर वालों की मनाने के बाद रीति रिवाज के अनुसार हुआ था। राखी का पति भुवनेश शर्मा मुंबई की एक निजी कंपनी में कार्य कर रहा है। शादी के बाद शुरुआती दिनों में तो सब कुछ ठीक चलता रहा लेकिन शादी के कुछ दिन बाद पति और ससुराल वालों से राखी के दांपत्य जीवन का विवाद बढ़ता गया। राखी का आरोप है कि ससुराल वालों ने उसे अकेला छोड़ दिया है और उसके पति ने तलाक की अर्जी कोर्ट में लगा रखी है। महिला पहलवान की तरफ से अभी तक कोर्ट में किसी प्रकार की अर्जी नहीं दी गई है।

महिला आयोग का मिला साथ

तलाक की अर्जी पति द्वारा कोर्ट में अर्जी दाखिल करने की जानकारी मिलने के बाद महिला पहलवान राखी गाजियाबाद के जिला कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गई है। उसके धरने में उसके माता-पिता भी उसका साथ दे रहे हैं। इसके साथ ही कुछ सामाजिक कार्यकर्ता भी हिमानी का सहयोग कर रहे हैं। बीते दिन महिला आयोग की सदस्य डॉक्टर हिमानी अग्रवाल भी राखी से मिलने पहुंचीं। उन्होंने राखी को आश्वासन दिया कि महिला आयोग उनके मामले पर गंभीरता से कार्य करेगा। इसके साथ ही गाजियाबाद के डीएम ने जानकारी दी कि दोनों परिवारों को साथ बैठाकर विवाद को सुलझाने का प्रयास किया जाएगा।

न्याय नहीं मिलने तक जारी रहेगा अनशन

तमाम आश्वासन के बाद भी महिला पहलवान गाजियाबाद कलेक्ट्रेट के सामने अपने माता-पिता के साथ धरने पर बैठी हुई है और अपने लिए न्याय की गुहार लगा रही हैं। राखी ने कहा कि जब तक उसे न्याय नहीं मिल जाता तब तक वो धरने पर ही बैठी रहेंगी।

ट्रैफिक पुलिस और आरटीओ ने चलाया संयुक्त अभियान, 15 स्कूल वाहन सीज, 26 का चालान

मेरठ। नियमों को ताक पर रखकर शहर की सड़कों पर फर्राटे भर रहे स्कूल वाहनों की चेकिंग के लिए आखिरकार ट्रैफिक और आरटीओ विभाग की टीम बुधवार को सड़क पर उतर गई। लगातार हो रहे हादसों के बाद दोनों विभागों ने संयुक्त अभियान चलाते हुए शहर भर में स्कूल वाहनों की सघन चेकिंग की। इस दौरान जहां 15 स्कूल वाहनों को सीज किया गया। वहीं, 26 के चालान किए गए। एसपी ट्रैफिक का कहना है कि अभियान अभी जारी रहेगा।

बताते चलें कि कुछ समय पहले कंकरखेड़ा क्षेत्र में बिना परमिट और फिटनेस के सड़क पर खटारा स्कूल वैन दौड़ा रहे ड्राइवर की लापरवाही के चलते एक छात्रा की जान चली गई थी। इसके बाद हाल ही में चिराग स्कूल के पास शराब पीकर डग्गामार स्कूल वैन चला रहे ड्राइवर की लापरवाही से स्कूल वैन पलट गई।

राजकीय इंटर कॉलेज पोखरा, में जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। थाना हैदरगढ़ पुलिस टीम द्वारा राजकीय इंटर कॉलेज पोखरा, में उ0प्र0 पुलिस के अभियान "डिजिटल वॉरियर" के तहत जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में फेक न्यूज के खण्डन, साइबर अपराध के प्रति जागरूकता एवं पुलिस के सराहनीय कार्यों को सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर व्यापक रूप से प्रसारित किए जाने के लिए युवा पीढ़ी के सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स एवं कॉलेज के छात्राओं को उ0प्र0 पुलिस का ₹डिजिटल वॉरियर₹ बनाए जाने के सम्बन्ध में जागरुक किया गया। छात्रों को साइबर क्राइम एवं फेक न्यूज़ को रिपोर्ट करने, सामाजिक दायरे में फेक न्यूज़ एवं साइबर अपराध के प्रति अपने परिवारीजनों एवं मित्रों को भी जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर पर प्रभारी निरीक्षक हैदरगढ़ श्री अभिमन्यु मल्ल मय टीम मौजूद रहे।

पत्रकार विजय प्रताप की शिकायत पर जिला समाज कल्याण अधिकारी पर जांच समिति गठित

रायबरेली। जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी के विरुद्ध भ्रष्टाचार संबंधी शिकायत मिलने पर मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय ने दो सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है। यह शिकायत पिपरी गुरूबक्शगंज, रायबरेली निवासी विजय प्रताप सिंह द्वारा 07 बिंदुओं पर की गई है। शिकायत की निष्पक्ष जांच के लिए सीडीओ ने दो सदस्यीय समिति बनाई है, जिसमें जिला विकास अधिकारी रायबरेली व जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी रायबरेली शामिल हैं। समिति को निर्देशित किया गया है कि शिकायतकर्ता की उपस्थिति में उल्लिखित बिंदुओं की जांच कर संयुक्त जांच आख्या फोटोग्राफ्स सहित एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

अवैध नशीली सीरप के साथ एक गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। अवैध ऑनरेक्स नशीला सीरप की 8374 शीशी के साथ एक अभियुक्त को चुनार थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। तथा

परिवहन में प्रयुक्त डीसीएम ट्रक को बरामद कर सीज कर दिया गया है। सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद द्वारा जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाये रखने हेतु अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने तथा अवैध रूप से मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में थाना चुनार पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। मंगलवार को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना चुनार पुलिस टीम द्वारा थाना चुनार क्षेत्रांतर्गत पुलिस चौकी चक गंभीरा के पास सघन चेकिंग कर डीसीएम ट्रक अंकित वाहन संख्याः MH 14 HG 0083 में सवार 01 अभियुक्त सुनील कुमार बैरागी पुत्र स्व0 आमोल दास बैरागी निवासी राजू कालोनी मण्डला थाना मण्डला जनपद मण्डला मध्य प्रदेश को गिरफ्तार किया गया है। बरामद वाहन की तलाशी ली गयी तो उपरोक्त वाहन डीसीएम ट्रक से 8374 शीशी प्रत्येक 100 एमएल अवैध ONEREX नशीला सीरप बरामद हुई है। थाना चुनार पर मु0अ0स0- 416/2025 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट 319(2),318(4) बीएनएस पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को जेल भेजा जा रहा है। तथा तस्करी में प्रयुक्त डीसीएम ट्रक वाहन को अन्तर्गत धारा 207 एमवी एक्ट में सीज किया गया है।

जनप्रतिनिधियो की उपस्थिति में किया गया उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा 36 नवचयनित मुख्य सेविकाओ को नियुक्ति पत्र वितरण

मेरठ। आज विकास भवन सभागार में मा0 राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत बाजपेई, मा0 एमएलसी धर्मेन्द्र भारद्वाज की उपस्थिति में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शिता भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत जनपद में 36 नवचयनित मुख्य सेविकाओ को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मा0 मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी देखा गया। कार्यक्रम में मा0 राज्यसभा सांसद व मा0 एमएलसी द्वारा नवचयनित मुख्य सेविका पूजा, पुष्पा, पल्लवी मलिक, साक्षी चौधरी, काजल, रूचि, काजल सैनी, स्मृति पाण्डेय, साक्षी शर्मा, वर्षा गर्ग, दीपा, तमन्ना, मानसी रानी तथा शिवानी को नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया।

असित तीर्थ या वक्फ प्रॉपर्टी? काशी के दुर्गाकुंड इमामबाड़ा पर बढ़ा विवाद, हिंदू पक्ष ने ठोंका दावा

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी के दुर्गाकुंड इलाके के इमामबाड़ा को लेकर त्रिकोणीय संघर्ष शुरू हो गया है। इसको लेकर नगर निगम, हिन्दू पक्ष और शिया समुदाय के लोग आमने-सामने आ गए हैं। शिया पक्ष का दावा कि 450 साल से ये इमामबाड़ा है, जबकि हिन्दू पक्ष वाले इसे असित ऋषि का आश्रम बता रहे हैं। नहीं, नगर निगम इसे पहले ही अपनी संपत्ति बता चुका है। इसको लेकर इमामबाड़ा और नगरनिगम के बीच कोर्ट में मुकदमा भी चल रहा है।

वाराणसी के दुर्गाकुण्ड स्थित शिया इमामबाड़ा को लेकर हिन्दू पक्ष और शिया समुदाय के बीच मामला शांत होता नजर नहीं आ रहा है। विवाद की वजह एक कुआं है, जिसके सामने आने के बाद अब हिन्दू पक्ष भी सामने आ गया है। सनातन हिन्दू रक्षक दल ने इस इमामबाड़े को अति प्राचीन असित ऋषि का आश्रम बताया है और पौराणिक महत्व के असितेश्वर महादेव के स्थापित होने की बात कही है।

हिंदू पक्ष ने बताया असित तीर्थ

सनातन रक्षक दल के अजय शर्मा ने टीवी 9 को बताया कि जिसको कुआं कहा जा रहा है, वो वास्तव में असित तीर्थ है। लिंग पुराण, पद्म पुराण और स्कंद पुराण के साथ-साथ काशी खंड में इसका वर्णन है कि मां दुर्गा के पश्चिम में असित तीर्थ है, जहां असितेश्वर महादेव विराजमान हैं। यहां स्नान और आचमन करने से सिद्धियों की प्राप्ति की बात कही गई है। सनातन रक्षक दल, नगर निगम से ये मांग कर रहा है कि इस पूरे इलाके से अवैध कब्जा हटाए और इसके प्राचीन स्वरुप को वापस लौटाने पर काम करे।

'इमामबाड़ा वक्फ की संपत्ति'

इमामबाड़ा के अंदर ऐसी अभी कई चीजें मौजूद हैं, जो असित तीर्थ होने के कई प्रमाण अपने अंदर समेटे हैं। इमामबाड़ा के नायब मुतवल्ली साजिद हुसैन ने टीवी 9 डिजिटल को बताया कि जिस कुएं को लेकर जबरदस्ती विवाद किया जा रहा है, वह कुआं भी इमामबाड़ा वक्फ की ही संपत्ति है। शिया वक्फ बोर्ड में वक्फ संख्या टी। 2048ए के नाम से दर्ज है। कदीमी शिया इमामबाड़ा वक्फ शमसुदौला करीब साढ़े चार सौ साल से इमामबाड़ा के रूप में है।

कोर्ट में भी चल रहा केस

इसको लेकर इमामबाड़ा और नगर निगम के बीच कोर्ट में मुकदमा भी चल रहा है। पूर्व में भी बनारस डेवलपमेंट अथॉरिटी (वीडीए) ने इमामबाड़ा के कुछ हिस्सों को गिराया था, जिसे बाद में अपनी गलती मानते हुए वीडीए ने उसके पुनरनिर्माण के लिए मुआवजा भी दिया गया था। अब एक बार फिर से नगर निगम बिना किसी कानूनी आधार के ये दुष्प्रचार कर रहा है कि ये संपत्ति नगर निगम की है। हमने प्रशासन को इमामबाड़ा और वक्फ से जुड़े पेपर दिखा दिए हैं।

एडीएम सिटी ने क्या कहा?

इस इलाके के पार्षद अक्षयवर सिंह का दावा है कि ये इमामबाड़ा वार्ड संख्या 25 में आता है और ये नगर निगम की ही संपत्ति है। नगर निगम के दस्तावेज में ये गोवाबाई तालाब के नाम से अंकित है। इधर वाराणसी प्रशासन ने इस पर अंतिम निर्णय नगर निगम को लेने की बात कही है। एडीएम सिटी ने बताया कि चूंकि ये मामला नगर निगम और इमामबाड़ा के बीच है और इमामबाड़ा के मुतवल्ली ने जो राजस्व से जुड़े पेपर नगर निगम को दिखाए हैं, उससे वो कितना संतुष्ट हैं ये वही बताएंगे। नगर निगम जो भी फैसला लेगा प्रशासन उसका अनुपालन कराएगा।

ई–बीएलओ मोबाइल ऐप सर्वाधिक प्रयोग के 08 मतदाताओं को मिलेगी प्रोत्साहन राशि

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0), प्रभारी अधिकारी, जिला निर्वाचन कार्यालय (पं0), अजय कुमार सिंह ने राज्य निर्वाचन आयोग उ०प्र०, लखनऊ के पत्र दिनांक-22/08/2025 के द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2026 हेतु पंचायत निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण में बी0एल0ओ0 ऐप प्रयोग किये जाने पर प्रोत्साहन धनराशि के सम्बन्ध में निर्देश प्राप्त हुए हैं। आयोग के पत्र 11 जुलाई 2025 द्वारा ई-बी0एल0ओ0 मोबाइल ऐप के संचालन हेतु दिशा निर्देश दिये गये हैं। ई-बी0एल0ओ0 ऐप के संचालन के सम्बन्ध में ऐसे बी0एल0ओ0 जो ई-बी0एल0ओ0 मोबाइल ऐप से मतदाताओं की इन्ट्री करेंगे उनको सामान्य मानदेय के साथ-साथ मतदाता इन्ट्री हेतु रू0 200/- का अतिरिक्त प्रोत्साहन भत्ता दिया जायेगा। साथ ही जनपद के अन्तर्गत ई०-बी0एल0ओ0 मोबाइल ऐप सर्वाधिक प्रयोग करने वाले 08 बी0एल0ओ0 को प्रोत्साहन धनराशि दी जायेगी परन्तु वह बी0एल0ओ0 50 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं की इन्ट्री ई-बी0एल0ओ0 मोबाइल ऐप से करेंगे। जनपद में ऐसे सर्वोच्च 08 बी0एल0ओ0 को अधिकतम मतदाता इन्ट्री हेतु ई-बी0एल0ओ0 मोबाइल ऐप का प्रयोग करने पर निम्नानुसार प्रोत्साहन धनराशि प्रदान की जायेगी यथा- प्रथम रूपए 10000/-, द्वितीय रुपए 8000/-, तृतीय रुपए 6000/- एवं सात्वना प्रोत्साहन धनराशि (05 बी0एल0ओ0 को) रुपए 3000/- प्रदान किया जाएगा। उक्त के क्रम में समस्त उप जिलाधिकारी/ सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक नामावली वृहद पुनरीक्षण 2025 को निर्देशित किया जाता है।

विशेषज्ञों की चिंता : शाकाहारी लोगों में इस पोषक तत्व की कमी का खतरा अधिक, आहार में जरूर शामिल करें ये चीजें

अध्ययनों में पाया गया है कि ओमेगा-3 फैटी एसिड हृदय रोग और स्ट्रोक के जोखिमों को कम करने, ब्लड प्रेशर की समस्या को कम करने में इस पोषक की जरूरत होती है। इसकी कमी के कारण कमजोरी और नींद की समस्या हो सकती है। सभी लोगों को आहार के माध्यम से इसे प्राप्त करने की कोशिश करनी चाहिए। ओमेगा-3 फैटी एसिड शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक है।

आहार का स्वस्थ रहना आपके शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक माना जाता है, पर क्या आपको अपने आहार से शरीर के लिए जरूरी सभी तत्व प्राप्त हो रहे हैं? यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक स्तर पर पिछले कुछ वर्षों में विटामिन सप्लीमेंट्स की मांग काफी तेजी से बढ़ी है। इसका मतलब है कि हमें आहार में विशेष सुधार की आवश्यकता है। इसी से संबंधित एक अध्ययन में शोधकर्ताओं की टीम ने बताया है कि शाकाहारी आहार का पालन करने वाले लोगों में ओमेगा-3 पोषक तत्व की कमी होने का जोखिम अधिक रहता है।

अध्ययनों में पाया गया है कि ओमेगा-3 फैटी एसिड हृदय रोग और स्ट्रोक के जोखिमों को कम करने, ब्लड प्रेशर की समस्या को कम करने में इस पोषक की जरूरत होती है। इसकी कमी के कारण कमजोरी और नींद की समस्या हो सकती है। सभी लोगों को आहार के माध्यम से इसे प्राप्त करने की कोशिश करनी चाहिए। ओमेगा-3 फैटी एसिड शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, शरीर स्वाभाविक रूप से अल्फा-लिनोलेनिक एसिड (एएलए) को लंबी श्रृंखला वाले ओमेगा-3 फैटी एसिड की जरूरत होती है, जो मस्तिष्क के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। मांसाहार के माध्यम से इसे आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। हालांकि अगर आप शाकाहारी हैं, तो भी आहार में कुछ चीजों को शामिल करके आसानी से ओमेगा-3 प्राप्त कर सकते हैं। आइए जानते हैं इसके लिए किन चीजों का सेवन किया जाना आवश्यक होता है?

आहार के माध्यम से कैसे प्राप्त करें ओमेगा-3

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कई खाद्य पदार्थों से ओमेगा-3 फैटी एसिड प्राप्त हो सकता है। मछलियों, सीड्स और नट्स से भरपूर आहार आपको शरीर के लिए आवश्यक ओमेगा-3 प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं। ओमेगा-3 फैटी एसिड के आपके शरीर और मस्तिष्क के लिए विभिन्न लाभ हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्था के अनुसार, पौधे पर आधारित कई खाद्य पदार्थों से ओमेगा-3 की जरूरतों की पूर्ति की जा सकती है। पुरुषों के लिए रोजाना 1,600 मिलीग्राम है और महिलाओं के लिए 1,100 मिलीग्राम की मात्रा में इसकी आवश्यकता होती है। आइए जानते हैं कि इसके लिए किन चीजों का सेवन किया जा सकता है?

चिया सीड्स से होने वाले स्वास्थ्य लाभ

चिया सीड्स हमारे शरीर के लिए कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ से भरपूर होता है। अध्ययनों में पाया गया कि पाचन स्वास्थ्य लाभ के साथ चिया सीड्स ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होती है। इनमें फाइबर और प्रोटीन भी अधिक मात्रा में होता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने पाया कि दैनिक रूप से चिया सीड्स को आहार का हिस्सा बनाकर शरीर के लिए इससे संबंधित स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं।

अखरोट को बनाएं आहार का हिस्सा

अखरोट स्वास्थ्यप्रद वसा का एक उत्कृष्ट स्रोत है, जिसमें ALA ओमेगा-3 फैटी एसिड भी शामिल है। इनमें प्रति कप 3.346 ग्राम ALA होता है। मस्तिष्क से संबंधित समस्याओं के जोखिमों को कम करने और हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए अखरोट का सेवन करना आपके लिए लाभकारी हो सकती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि दैनिक रूप से अखरोट खाने वाले लोगों में मस्तिष्क से संबंधित समस्याओं का जोखिम कम होता है।

अगर बहन के साथ करनी है ट्यूनिंग तो पेडनेकर सिस्टर्स से लें टिप्स

जब भी बात आती है फैशन और स्टाइल की तो कपूर सिस्टर्स का नाम काफी ऊपर आता है। करीना कपूर खान और करिश्मा कपूर स्टाइल के मामले में सभी को पीछे छोड़ती हैं। दोनों सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी फोटोज शेयर करती रहती हैं। अक्सर वो ट्यूनिंग करते हुए भी नजर आती हैं। वहीं अब पेडनेकर सिस्टर्स भी कपूर सिस्टर्स को कड़ी टक्कर दे रहीं हैं।

मशहूर अभिनेत्री भूमि पेडनेकर और उनकी बहन समीक्षा पेडनेकर अपने स्टाइल के मामले में सभी को पीछे छोड़ रहीं हैं। दोनों आए दिन सोशल मीडिया पर अपनी फोटोज शेयर करती हैं। अगर आप भी अपनी बहन ने साथ सिस्टर गोल्स करना चाहती हैं तो आप पेडनेकर सिस्टर्स से टिप्स ले सकती हैं। चाहे शादी-पार्टी के कार्यक्रम हों या फिर क्लब में जाना हो, हर जगह के लिए पेडनेकर सिस्टर्स कमाल के लुक्स लेकर सामने आती हैं तो आइए देर ना करते हुए आपको पेडनेकर सिस्टर्स के बेस्ट लुक्स दिखाते हैं।

एथनिक वियर में लगती हैं कमाल

भूमि पेडनेकर के साथ साथ उनकी बहन समीक्षा पेडनेकर भी एथनिक वियर में बेहद कमाल की लगती हैं। कुछ समय पहले समीक्षा ने फोटोज शेयर की थीं, जिसमे भूमि और समीक्षा दोनों ने पेस्टल रंग का ही लहंगा पहना था। दोनों ने एथनिक वियर के साथ ज्वेलरी भी काफी स्टाइल से कैरी की थीं।

ब्लैक में दिखाएं अपना ग्लैमरस अंदाज

पेडनेकर सिस्टर्स में से भूमि का मेटैलिक एक्सेंट वाला ब्लैक पैंटसूट और समीक्षा की ब्लैक ब्लेज़र ड्रेस बेहद स्टाइलिश लग रही है। दोनों ने सिर्फ आउटफिट्स में ही नहीं बल्कि मेकअप और हेयरस्टाइल में भी ट्यूनिंग की थी।

ट्यूनिंग करके पहनें पिंक

आप भी पेडनेकर सिस्टर्स की तरह अपनी बहन के साथ ट्यूनिंग करके पिंक कलर के आउटफिट पहन सकती हैं। इस लुक में समीक्षा ने पिंक कलर की ड्रेस पहनी है, वहीं भूमि ने पिंक ट्यूब टॉप के साथ जींस कैरी की है। इस आउटफिट में दोनों ने जमकर पोज दिए हैं।

ब्लैक पहन कर दिखाएं जलवा

अपनी बहन के साथ कलर मैच करके आप ब्लैक आउटफिट कैरी कर सकती हैं। इस लुक में भूमि ने ग्लिटर लुक वाला कट आउट हॉल्टर ड्रेस पहना है और साथ में स्टेटमेंट शेड्स में वह सुपर सेक्सी दिख रही हैं। ब्लैक कलर वैसे भी एवरग्रीन होता है, जिसे आप किसी भी पार्टी में कैरी कर सकती हैं।

देखें दोनों का ग्लैमरस अंदाज

अगर आप अपनी बहन के साथ ग्लैमरस दिखना चाहती हैं, तो पेडनेकर सिस्टर्स के इस लुक से टिप्स ले सकती हैं। समीक्षा और भूमि का ये लुक बेहद ग्लैमरस है।

मात्र 500 रुपये बचाकर गृहिणी बन सकती हैं इन्वेस्टर, जानें कहां करें बचत के पैसे निवेश

महिलाएं छोटी-छोटी बचत करके कई बार अपने परिवार को किसी बड़े आर्थिक झंझावात से आसानी से निकाल ले जाती हैं। लेकिन समय तेजी से बदल रहा है। महिलाओं की औसत आयु पुरुषों की तुलना में अधिक होती है। वहीं, गृहणियां बिल्कुल नहीं कमाती हैं, तो कामकाजी महिलाओं का काम बच्चों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी निभाने के कारण बाधित होता है और वे पुरुषों की तुलना में कम कमा पाती हैं। ऐसे में उनको निवेश करने के सही तरीके जानना जरूरी है। महिलाएं छोटी-छोटी बचत करके ही भविष्य की योजनाएं बनाती हैं। ऐसे में उन्हें यह जानना जरूरी है कि अपनी बचत को किस तरह के निवेश में लगाना चाहिए?

कैसे करें निवेश

सबसे पहले यह निर्धारित करें कि आप कितना पैसा बचाती हैं और उसमें से कितना निवेश करना चाहती हैं? आप अपनी सामर्थ्य अनुसार 500 रुपये महीने से भी निवेश शुरू कर सकती हैं या फिर भविष्य की आर्थिक जरूरतों के हिसाब से प्रॉपर प्लानिंग करके निवेश करें।

डाकघर

डाकघर आवर्ती जमा खाता (आरडी अकाउंट) में पैसा डूबता नहीं है। इस योजना के तहत हर महीने थोडे-थोड़े पैसे जमा करके कुछ ही वर्षों बाद एक अच्छी रकम आपके पास होगी। इसमें हर महीने 100 रुपये से निवेश शुरू कर सकती हैं। अधिकतम राशि की कोई सीमा नहीं है।

कंपनियों के शेयर्स

आप क्षमतानुसार विभिन्न कंपनियों के स्टॉक में हर महीने निवेश करके बेहतर मुनाफा कमा सकती हैं। निवेश करते वक्त ऐसी कंपनियां चुनें, जो अच्छी ग्रोथ कर रही हैं। किसी भी कंपनी का शेयर खरीदने से पहले अच्छी तरह रिसर्च करें। ध्यान रखें, शेयर इस मकसद से खरीदें कि उसे 7 से 10 साल के बाद बेचना है।

म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड निवेश का बेहतर विकल्प हैं। अगर लंबी अवधि का निवेश किया हो तो रिटर्न बढ़ जाता है। चाहें तो इक्विटी म्यूचुअल फंड, डेब्ट म्यूचुअल फंड या हाइब्रिड म्यूचुअल फंड स्कीम में निवेश कर सकती हैं। म्यूचुअल फंड के जरिये छोटी बचत से भी इक्विटी जैसा रिटर्न मिल सकता है। आप हर महीने की सेविंग कर एसआईपी के जरिये म्युचुअल फंड में निवेश कर सकती हैं। अगर 10 हजार रुपये प्रतिमाह निवेश करें तो 15 साल में आसानी से 50 लाख से ज्यादा का रिटर्न मिल सकता है।

नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट

नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट (एनएससी) एक छोटी बचत योजना है। इसमें निवेश कम से कम 100 रुपये और अधिकतम अपनी जरूरत के हिसाब से कर सकती हैं। इस पर 6.8 फीसदी सालाना ब्याज मिल रहा है। इसे पोस्ट ऑफिस या किसी बैंक से खरीदा जा सकता है। इसमें निवेश करने पर इनकम टैक्स में भी फायदा मिलता है।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड

पब्लिक प्रोविडेंट फंड में पैसा डूबने का खतरा नहीं रहता है। इसमें सालाना 7.1 फीसदी की दर से ब्याज मिलता है, साथ ही सरकार इनकम टैक्स में लाभ देती है। वित्तीय विशेषज्ञ एवं निवेश सलाहकार शरद मिश्रा के मुताबिक, सरकार की महिलाओं को बचत के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न योजनाएं हैं। डाकघर की मासिक आय योजना, आवर्ती जमा योजना, सावधि जमा योजना और बचत पत्र आदि घरेलू महिलाओं को ध्यान में रखकर ही लागू की गई हैं। कामकाजी महिलाओं के लिए इस वर्ष बजट में महिला सम्मान बचत योजना 2023 की घोषणा की गई। इसमें महिलाएं दो लाख रुपये तक की धनराशि 7.5 प्रतिशत ब्याज दर पर दो वर्ष के लिए जमा कर अधिक लाभ कमा सकती हैं। इस योजना में 40 फीसदी तक आंशिक निकासी भी हो सकती है।

एनपीएस अकाउंट हो गया है फ्रीज, इन स्टेप को फॉलो कर एक्टिवेट हो जाएगा अकाउंट

नई दिल्ली। बुढ़ापे में भी इनकम जारी रखने में पेंशन काफी अहम रोल निभाता है। रिटायरमेंट के बाद भी इनकम को जारी रखने के लिए कई लोग जॉब के शुरुआत से ही निवेश करना शुरू कर देते हैं।

वर्तमान में निवेश के लिए कई स्कीम मौजूद है। इनमें से एनपीएस एक है। इसमें खाताधारक को रिटर्न का लाभ मिलता है। इसके अलावा मैच्योरिटी के बाद पेंशन की सुविधा भी मिलती है। जब निवेशक की आयु 60 साल की हो जाती है तो वह एनपीएस में निवेश की गई कुल राशि का 60 फीसदी हिस्सा निकाल सकता है।

वहीं, 40 फीसदी हिस्सा एन्युटी के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। इस तरह एनपीएस बुढ़ापे के लिए मोटे फंड के साथ पेंशन का भी इंतजाम कर देता है।

बता दें कि अगर निवेशक एक पूरे वित्त वर्ष में एनपीएस अकाउंट में न्यूनतम राशि नहीं डिपॉजिट करता है तो उसका अकाउंट फ्रीज हो जाता है। निवेशक को एक वित्त वर्ष में कम से कम 500 रुपये का निवेश करना चाहिए।

फ्रीज या इनएक्टिव अकाउंट को दोबारा से एक्टिव किया जा सकता है। चलिए, जानते हैं कि इनएक्टिव अकाउंट को दोबारा कैसे एक्टिवेट करें?

एनपीएस अकाउंट को एक्टिवेट कैसे करें

फ्रीज अकाउंट को दोबारा एक्टिवेट करने के लिए आपको UOS-S10-A फॉर्म भरना होगा। यह फॉर्म आपको पोस्ट ऑफिस में आसानी से मिल जाएगा। इसके अलावा जिस बैंक में आपका एनपीएस अकाउंट ओपन होता है वहां से भी आप यह फॉर्म ले सकते हैं। आप ऑनलाइन फॉर्म भी डाउनलोड कर सकते हैं।

फॉर्म भरने के बाद सब्सक्राइबर को PRAN कार्ड की कॉपी लगानी होगी।

इसके साथ ही अकाउंट होल्डर को सालाना बकाया राशि जमा करनी होगी और प्रति वर्ष के 100 रुपये का जुर्माना देना होगा।

एप्लीकेशन फॉर्म सबमिट होने के बाद अधिकारी द्वारा उसे वेरिफाई किया जाएगा।

एप्लीकेशन फॉर्म वेरीफाई होने के बाद प्रोसेस शुरू किया जाएगा और पीआरएएन को एक्टिवेट कर दिया जाएगा।

एनपीएस वेबसाइट से कैसे करें अकाउंट एक्टिव

आप एनपीएस वेबसाइट (https://www.indiapost.gov.in/Financial/pages/content/nps.aspx) पर जाएं।

अब आप अपना पीआरएएन नंबर और पासवर्ड की मदद से लॉग-इन करें।

इसके बाद My account पर क्लिक करें।

अब आप Unfreeze account के ऑप्शन को सेलेक्ट करें।

इसके बाद आपको जरूरत की सभी जानकारी को भरना है और लेट फीस की पेमेंट करनी है।

पेमेंट के बाद आपका अकाउंट एक्टिव हो जाएगा।

भारत पर ट्रंप का अतिरिक्त 25% टैरिफ लागू: विनिर्माण महत्वाकांक्षाओं को लग सकता है झटका; भारत की क्या रणनीति?

वोंटोबेल में ईएम इक्विटीज के सह-प्रमुख राफेल लुएशर का कहना है कि उच्च टैरिफ भारत की विनिर्माण महत्वाकांक्षाओं को बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है। इससे अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव में आने वाली भारतीय कंपनियां भी निवेश संबंधी फैसले टाल सकती हैं, जिसका नकारात्मक असर नौकरियों पर पड़ सकता है।

भारतीय उत्पादों पर बुधवार से 50 फीसदी उच्च अमेरिकी टैरिफ लागू गया है। इससे 48.2 अरब डॉलर के भारतीय निर्यात पर असर पड़ेगा। ट्रंप टैरिफ की वजह से भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजारों में काफी महंगे हो जाएंगे, जिससे घरेलू निर्यातकों के लिए प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो जाएगा। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत के प्रतिस्पर्धियों की स्थिति कम टैरिफ के कारण अमेरिकी बाजार में बेहतर होगी। इस चुनौती से निपटने के लिए मोदी सरकार को बड़े स्तर पर प्रयास करने होंगे, अन्यथा न सिर्फ देश की जीडीपी पर असर पड़ेगा, बल्कि भारत को वैश्विक विनिर्माण हब बनाने का लक्ष्य भी प्रभावित होगा।

वोंटोबेल में ईएम इक्विटीज के सह-प्रमुख राफेल लुएशर का कहना है कि उच्च टैरिफ भारत की विनिर्माण महत्वाकांक्षाओं को बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है। इससे अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव में आने वाली भारतीय कंपनियां भी निवेश संबंधी फैसले टाल सकती हैं, जिसका नकारात्मक असर नौकरियों पर पड़ सकता है। कपड़ा, जूते, आभूषण और ऑटो पार्ट्स उद्योगों में अगले 12 महीनों में 10-15 लाख नौकरियां जा सकती हैं। अकेले कपड़ा क्षेत्र में एक लाख से ज्यादा रोजगार प्रभावित होने की आशंका है। सूरत और मुंबई के रत्न-आभूषण उद्योग में भी एक लाख से ज्यादा नौकरियां जाने का खतरा है।

टैरिफ से कई सेक्टर होंगे प्रभावित: बड़े प्रयास की दरकार

भारत अमेरिका को 10.3 अरब डॉलर का कपड़ा निर्यात करता है। उच्च टैरिफ की वजह से भारतीय परिधान अमेरिकी बाजार में बांग्लादेश और वियतनाम (इन पर 20 फीसद टैरिफ) के मुकाबले महंगे हो जाएंगे। इससे टेक्सटाइल/परिधान निर्यातकों के लिए अमेरिकी बाजार में उत्पाद बेचना मुश्किल हो जाएगा।

भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने कहा, तिरुपुर, नोएडा और सूरत के कपड़ा विनिर्माताओं ने उत्पादन रोक दिया है। यह क्षेत्र वियतनाम और बांग्लादेश के कम लागत वाले प्रतिद्वंद्वियों के सामने पिछड़ रहा है।

वभारत 12 अरब डॉलर का रत्न-आभूषण अमेरिका को निर्यात करता है। अतिरिक्त टैरिफ की वजह से हीरे और सोने के निर्यात में गिरावट आएगी, जबकि चीन को बढ़त मिलेगी। अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद के चेयरमैन राजेश रोकड़े ने कहा, देश की निर्यात अर्थव्यवस्था में यह उद्योग एक प्रमुख योगदानकर्ता है। उच्च टैरिफ से हस्तनिर्मित आभूषणों के निर्यात पर भारी असर पड़ सकता है। हो सकता है कि ये उत्पाद अब वहां स्वीकार या बेचे न जाएं। अगर ऐसा हुआ, तो एक लाख नौकरियां झटके में चली जाएंगी। भारत 127 देशों को करीब 60 लाख टन बासमती चावल निर्यात करता है। इसमें से करीब 2.70 लाख टन यानी चार फीसदी बासमती चावल अमेरिका जाता है। अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ ने बासमती चावल निर्यातकों की चिंता जरूर बढ़ा दी है, लेकिन बड़े नुकसान की आशंका नहीं है। निर्यातकों का कहना है कि अमेरिका को निर्यात होने वाले 2.70 लाख टन चावल को अन्य देशों में खपाना बड़ी बात नहीं है। इसके लिए नए बाजार को तलाश कर उसकी भरपाई आसानी से की जा सकती है।

ऑल इंडिया राइस एक्सपोर्ट एसोसिएशन का कहना है कि अमेरिका भारत और पाकिस्तान से ही बासमती चावल खरीदता है। लेकिन, पाकिस्तान अमेरिकी जरूरतें पूरी करने में सक्षम नहीं है, क्योंकि इस्लामाबाद के कुल करीब 9 लाख टन चावल निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी 50 से 60 हजार टन है।

जवाबी कार्रवाई के विकल्प

अमेरिकी आयात (ऊर्जा, रक्षा और कृषि सामान) बढ़ाने की कोशिश, ताकि व्यापार घाटा कम हो और कूटनीतिक रास्ता खुले।

प्रभावित निर्यातकों के लिए प्रोत्साहन। नए एफटीए के जरिये बाजार विविधीकरण। भारत अमेरिकी कृषि, व्हिस्की, मेडिकल डिवाइस और ऊर्जा पर जवाबी टैरिफ लगाए। लेकिन, अमेरिका का भारत को निर्यात सिर्फ 45 अरब डॉलर है। इनकी महंगाई से कोई खास असर नहीं पड़ेगा।

भारत टैरिफ को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में चुनौती दे सकता है, लेकिन वहां कुछ होना मुश्किल है। देश की जीडीपी में अगले 12-18 महीनों में 0.2-1.1 फीसदी की गिरावट आ सकती है, क्योंकि ट्रंप टैरिफ से भारत के कुल माल निर्यात का करीब 55 फीसद हिस्सा प्रभावित होने की आंशका है। मूडीज, नोमुरा और सिटीग्रुप का अनुमान है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 6.5 फीसदी से नीचे जा सकती है, जिससे राजकोषीय घाटा और उपभोक्ता विश्वास प्रभावित होगा। फिच रेटिंग्स ने 2025-26 के लिए वृद्धि दर अनुमान को 6.4 फीसदी से घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया है।

शेयर बाजार: और गहराएगी गिरावट

50 फीसदी टैरिफ की पुष्टि और व्यापार वार्ता रद्द होने से विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली की, जिससे ऑटो, धातु और रियल्टी शेयरों में 1-2 फीसदी की गिरावट आई। सेंसेक्स 849 और निफ्टी 255 अंक टूट गया। रुपये की कमजोरी और निर्यात कर्ज से बैंकिंग शेयरों पर दबाव बढ़ने की आशंका है। यूरोप एवं मध्य पूर्व जैसे अन्य व्यापारिक साझेदारों की अप्रत्याशित प्रतिक्रिया से बाजार पर दबाव और बढ़ सकता है।

आपूर्ति होगी बाधित, ऑर्डर रद्द

अमेरिकी आयातकों ने कपड़ा, ऑटो पार्ट्स, रत्न-आभूषण और समुद्री उत्पादों के भारतीय ऑर्डर रद्द करने शुरू कर दिए हैं। तिरुपुर, नोएडा और सूरत के कपड़ा निर्माताओं ने उत्पादन रोक दिया है। इससे भारत में इन्वेंट्री जमा होने, कार्यशील पूंजी की कमी और उत्पादन ठप होने का खतरा बढ़ गया है।

कंपनियों की कमाई और कर्ज पर संकट

निर्यात करने वाली कंपनियों (ऑटो, स्टील, उपभोक्ता सामान) की कमाई घटेगी। निर्यातकों के कर्ज और स्टॉक की गुणवत्ता खराब हो सकती है, जिससे बैंकों एवं एनबीएफसी में एनपीए (फंसा कर्ज) का जोखिम बढ़ने का खतरा है।

वैश्विक छवि को नुकसान

ट्रंप टैरिफ ने अमेरिका के साथ भारत की पसंदीदा साझेदार छवि को तगड़ा झटका लगा है। वैश्विक निवेशक भारत को व्यापार झटकों के प्रति कमजोर मान रहे हैं, जिससे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रभावित हो सकता है। रूसी तेल खरीद के कारण भारत को निशाना बनाया जाना उसकी रणनीतिक स्वायत्तता को कमजोर करने वाला कदम माना जा रहा है।

ट्रंप की धमकियों के बावजूद भारत में विस्तार धीमा नहीं करेगी एपल

भारत में आईफोन नहीं बनाने की ट्रंप की चेतावनी के बावजूद एपल अपना विस्तार तेज करने वाली है। वह भारत में आईफोन की उत्पादन क्षमता सालाना 4 करोड़ से बढ़ाकर 6 करोड़ करेगी। इस पर 2.5 अरब डॉलर (21,500 करोड़ रुपये) का निवेश करेगी। कंपनी का अतिरिक्त उत्पादन का ज्यादातर हिस्सा निर्यात के लिए है। खासकर अमेरिका को। कंपनी ने भारत में जल्द लॉन्च होने वाले आईफोन 17 की असेंबलिंग शुरू कर दी है। एक सरकारी अधिकारी ने कहा, एपल की भारत में निवेश की योजना में कोई बदलाव नहीं होगा। विस्तार पहले की योजना के अनुसार जारी रहेगा। भारत में एपल के विस्तार को उसके प्रमुख विक्रेताओं ताइवानी आपूर्तिकर्ता फॉक्सकॉन, टाटा समूह की विस्ट्रॉन और पेगाट्रॉन का समर्थन प्राप्त है।

अमेरिका को औकात में लाने के लिए वेनेजुएला क्या-क्या कर रहा है?

वेनेजुएला। अमेरिका में ड्रग्स कंट्रोल के नाम पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला को रडार पर ले लिया है। एक फैसले में वेनेजुएला की सीमा पर ट्रंप ने 3 वॉरशिप भेज दिए हैं, जिसके बाद दोनों देशों के बीच का तनाव चरम पर पहुंच गया है। अमेरिका को औकात में लाने के लिए निकोलस मादुरो के वेनेजुएला ने 3 प्लान तैयार किया है। वेनेजुएला की सरकार इसी प्लान के तहत काम कर रही है।

क्या है वो 3 प्लान, डिटेल में समझिए

1- वेनेजुएला की सरकार उन देशों से संपर्क साध रही है, जो अमेरिका का कट्टर विरोधी है। इस कड़ी में चीन से पहला सहयोग मांगा गया है। चीन ने वेनेजुएला के पक्ष में बयान भी जारी किया है। चीन का कहना है जिस तरीके से अमेरिका ने वेनेजुएला बॉर्डर पर जहाजों को भेजा है, वो संप्रभुता के खिलाफ है।

इसी तरह वेनेजुएला के विदेश मंत्री ने ईरान के विदेश मंत्री से बात की है। दोनों देशों के बीच अमेरिकी उत्पीड़न के खिलाफ संयुक्त लड़ाई की सहमति बनी है। ईरान अमेरिका का कट्टर दुश्मन माना जाता है। वेनेजुएला की कोशिश ब्राजील और रूस जैसे देशों को भी अपने साथ लाने की है। ये देश भी अमेरिकी विरोधी रहे हैं।

2- वेनेजुएला ने अपनी सीमा पर 15 हजार सैनिकों की तैनाती का फैसला किया है। वेनेजुएला ने इन सैनिकों की तैनाती कोलंबिया सीमा के पास की है। अमेरिका ने यहीं पर अपने 4000 मरीन गाड्र्स के साथ 3 जहाजों को भेजा है।

रिपोर्ट के मुताबिक कोलंबिया बॉर्डर पर अमेरिकी सैनिकों से लड़ने के लिए रूस वेनेजुएला को ईरान का शाहेद ड्रोन देगा। इस ड्रोन से वेनेजुएला आसानी से जहाजों पर अटैक कर सकता है।

3- वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने अमेरिका पर निशाना साधा है। मादुरो के मुताबिक अमेरिका का दबदबा दुनिया में कम हो रहा है। इसे दुरुस्त करने के लिए वेनेजुएला को टारगेट किया जा रहा है। वेनेजुएला ने अपने मिलिशिया को एक्टिव करने की बात कही है।

वेनेजुएला में मिलिशिया समहू को काफी खतरनाक माना जाता है। ये ड्रग्स कार्टेल से जुड़े होते हैं।

तनाव की शुरुआत कहां से हुई है?

अगस्त 2025 के शुरुआत में अमेरिका ने निकोलस मादुरो पर 5 करोड़ डॉलर का इनाम रख दिया। अमेरिका का कहना है कि वेनेजुएला के रास्ते अमेरिका ड्रग्स भेजे जा रहे हैं। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कैरोलिना लैविएट के मुताबिक मादुरो ड्रग्स कार्टेल के सरगना हैं। इसलिए उन पर 5 करोड़ डॉलर का इनाम रखा गया।

यह इनाम मशहूर आतंकवादी अबू बकर अलग बगदादी और ओसामा बिन लादेन से डबल है। द डेली मेल ने इसी बीच एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें कहा गया है कि ईरान के आतंकी वेनेजुएला के रास्ते ही अमेरिका में घुस गए हैं, जो अमेरिका के लिए एक बड़ा खतरा है।

इसके बाद से ही अमेरिकी प्रशासन वेनेजुएला पर एक्शन मोड में है। दूसरी तरफ वेनेजुएला का कहना है कि अमेरिका जानबूझकर उसे बदनाम कर रहा है।

तेल खरीदने पर भारत से गुस्सा है अमेरिका लेकिन खुद रूस के साथ कर रहा ये डील

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दोहरा रवैया एक बार फिर चर्चा में है। एक तरफ उन्होंने भारत को रूस से तेल खरीदने पर निशाना बनाया और अमेरिकी बाजार में भेजे जाने वाले भारतीय सामानों पर 50% टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया। ये भारी शुल्क 27 अगस्त से लागू हो गया है, जिसे ट्रंप ने 6 अगस्त को रूस से तेल खरीद पर जुर्माने के तौर पर घोषित किया था। लेकिन दूसरी ओर, खुद अमेरिका रूस के साथ ऊर्जा क्षेत्र में बड़े-बड़े सौदों पर बातचीत कर रहा है। Reuters की रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच मॉस्को और अलास्का में हुई बैठकों में तेल-गैस और निवेश से जुड़े प्रस्तावों पर गंभीर चर्चा की गई। यह सारी चर्चाएँ उस समय हुईं जब अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ़ इस महीने मॉस्को गए और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मुलाकात की। 15 अगस्त को अलास्का शिखर सम्मेलन के दौरान भी इन प्रस्तावों पर संक्षेप में विचार हुआ। व्हाइट हाउस की कोशिश थी कि इस बैठक से कोई बड़ा निवेश समझौता सामने आए, जिससे यूक्रेन शांति वार्ता को नया आयाम मिल सके।आइए जानते हैं अमेरिका ने कौन से शर्त सामने रखे हैं? फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद से रूस अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा निवेश और बड़े करारों से लगभग पूरी तरह कट चुका है। इस स्थिति को बदलने के लिए बातचीत के दौरान ऐसे प्रस्ताव सामने आए, जिनसे मॉस्को को शांति प्रक्रिया में शामिल करने का दबाव बनाया जा सके। ट्रंप ने धमकी भी दी थी कि अगर रूस उनकी शर्तों पर तैयार नहीं हुआ तो और कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

ट्रंप को अपने ही विशेष दूत से झटका, विटकॉफ बोले- रूस और यूक्रेन युद्ध इस साल नहीं रुकेगा

वॉशिंगटन, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच इस साल भी युद्ध नहीं रुकने वाला है। इसका कबूलनामा खुद डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने किया है। विटकॉफ के मुताबिक जिस तरीके से बात चल रही है, उससे नहीं लग रहा है कि यह युद्ध रुकने वाला है।

विटकॉफ के इस बयान को ट्रंप के लिए झटका माना जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप लगातार दावा कर रहे हैं कि वो जल्द ही युद्ध रुकवा देंगे। दूसरी तरफ यूरोपीयन नेताओं का कहना है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भरोसेमंद नहीं हैं।

ट्रंप की धमकी का भी नहीं हो रहा असर

ट्रंप लगातार रूस और यूक्रेन को युद्ध रोकने के लिए धमका रहे हैं, लेकिन दोनों ही देशों के बीच धमकी का कोई असर नहीं हो रहा है। उलटे यूक्रेन ने अपने ही घर में मिसाइल का निर्माण किया है। यूक्रेन राष्ट्रपति वोल्दोमीर जेलेंस्की के मुताबिक ये मिसाइल काफी प्रभावी हैं।

रूस भी लगातार यूक्रेन पर अटैक कर रहा है। रूस की कोशिश पूरे डोनबास पर जल्द से जल्द कब्जा करने की है। रूस मिसाइल और ड्रोन के जरिए यूक्रेन पर ताबड़तोड़ अटैक कर रहा है।

युद्ध विराम पर क्यों नहीं बन रही बात?

1- रूस के विदेश मंत्री सार्गेई लावरोव के मुताबिक यूक्रेन के जो राष्ट्रपति हैं, उनकी ऑथोरिटी बातचीत को लेकर नहीं है। रूस का कहना है कि जेलेंस्की से बात तो कर लिया जाए, लेकिन उनका कार्यकाल पहले ही खत्म हो चुका है। रूस जेलेंस्की को अधिकृत राष्ट्रपति नहीं मानता है। बातचीत को लेकर पहला पेच यहीं पर फंसा है। डोनाल्ड ट्रंप की कोशिश जल्द से जल्दी पुतिन और जेलेंस्की के बीच बातचीत कराने की है।

2- रूस उन जमीन को वापस नहीं देना चाहता है, जिस पर जंग में उसने कब्जा कर लिया है। मसलन, रूस डोनबास के इलाके को अपने पास रखना चाहता है। रूस क्रीमिया को भी आधिकारिक मान्यता देने की मांग कर रहा है। रूस की एक डिमांड यह भी है कि यूक्रेन को नाटो में शामिल न किया जाए। अमेरिका ने इस मांग को मानने की बात तो कही है, लेकिन यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी भी देने की घोषणा कर दी है। एक पेच यहां भी फंस गया है।

प्लास्टिक कचरे से पेट्रोल बना रहा है चीन, ऐसे काम करता है पूरा सिस्टम

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और चीन के वैज्ञानिकों ने एक तकनीक बनाई है जिससे प्लास्टिक के जहरीले कचरे को सीधे पेट्रोल में बदला जा सकता है। ये तकनीक 95 फीसदी ज्यादा असरदार साबित हुई है। सबसे खास बात ये है कि ये प्रक्रिया कमरे के तापमान पर ही हो जाती है, यानी ज़्यादा ऊर्जा या महंगे उपकरणों की जरूरत नहीं पड़ती। ये पहली बार हुआ है कि मिक्स्ड प्लास्टिक वेस्ट को इतनी आसानी से और इतने असरदार तरीके के साथ पेट्रोल में बदला गया है। वो भी सिर्फ एक बार में और नॉर्मल टेंपरेचर और प्रेशर पर।

कचरे को लायक बनाने की तकनीक

वैज्ञानिकों का कहना है कि ये खोज सर्कुलर इकॉनमी को सपोर्ट करती है यानी कचरे को बर्बाद करने के बजाय उसे दोबारा इस्तेमाल करने के लायक बनाना। इस रिसर्च में अमेरिका के पैसिफिक नॉर्थवेस्ट नेशनल लेबोरेटरी, कोलंबिया यूनिवर्सिटी, जर्मनी की टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ म्यूनिख और चीन की ईस्ट चाइना नॉर्मल यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक जुड़े हुए हैं।

इस तकनीक के फायदे क्या हैं?

इस तरीके से सिर्फ पेट्रोल ही नहीं, बल्कि केमिकल्स और हाइड्रोक्लोरिक एसिड भी बनते हैं। ये सब चीज़ें पानी की सफाई, दवाइयाँ बनाने, खाने-पीने की इंडस्ट्री और पेट्रोलियम सेक्टर में काम आ सकती हैं।

क्यों कारगर है ये तकनीक?

पहलाः दुनिया में ज्यादातर प्लास्टिक पॉलीओलेफिन जैसे पॉलीएथिलीन और पॉलीप्रोपाइलीन से बनती है, और लगभग 10% पीवीसी यानी पॉलीविनाइल क्लोराइड से। पीवीसी का इस्तेमाल पाइप, पैकेजिंग, घरेलू सामान, मेडिकल डिवाइस और कपड़ों में होता है।

दूसराः अब तक प्लास्टिक को जलाने या ईंधन बनाने के लिए पीवीसी को पहले डिक्लोरीनेट करना पड़ता था क्योंकि उसमें से जहरीले गैस निकलते हैं। ये प्रोसेस मुश्किल और बहुत एनर्जी खपाने वाला होता था। नई तकनीक में वैज्ञानिकों ने प्लास्टिक वेस्ट को लाइट आइसोएल्केन नाम के एक हाइड्रोकार्बन के साथ मिलाया।

तीसराः टेस्ट में ये पाया गया कि 30C पर सॉफ्ट पीवीसी पाइप्स 95% तक और हार्ड पीवीसी पाइप्स और वायर 99% तक पेट्रोल में बदल गए। यहां तक कि जब पीवीसी को दूसरे प्लास्टिक के साथ मिलाकर टेस्ट किया गया, तब भी 80C पर 96% कचरा पेट्रोल में बदल गया। इसका मतलब है कि ये तकनीक मिक्स्ड और गंदे प्लास्टिक वेस्ट को भी संभाल सकती है।

स्टालिन के दौरे से नाराजगी: 'बिहारियों का मजाक उड़ाने वालों को बुलाकर..'; महागठबंधन के खिलाफ भाजपा का हल्लाबोल

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव की तारीख का एलान अभी भले ही ना हुआ हो लेकिन सियासी पारा चरम पर है। एनडीए और महागठबंधन के नेता एक दूसरे पर जमकर सियासी तीर छोड़ रहे हैं। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी के नेता प्रदीप भंडारी ने कांग्रेस और राजद पर करारा हमला बोला है। महागठबंधन की मतदाता अधिकार यात्रा में शामिल होने के लिए बिहार पहुंचे एमके स्टालिन को लेकर उन्होंने आरोप लगाया कि ये दल बिहार के 'गौरव और स्वाभिमान' का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महागठबंधन बार-बार ऐसे नेताओं को बिहार बुला रहा है जिन्होंने पहले बिहारी समाज का मजाक उड़ाया था।

एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव बिहार के लोगों को गाली देने वालों को राज्य में प्रचार करने के लिए बुला रहे हैं। वे बिहार के गौरव और स्वाभिमान का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों पार्टियों ने बिहारियों का मजाक उड़ाने वाले नेताओं को राज्य में 'मतदाता अधिकार यात्रा' अभियान में भाग लेने के लिए बार-बार आमंत्रित किया है।

इस दौरान उन्होंने बिहारियों को लेकर कांग्रेस नेताओं के पूर्व में दिए गए बयानों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी, प्रियंका वाड्रा के बाद अब उन्हें स्टालिन मिल गए हैं। रेवंत रेड्डी, जिन्होंने पहले बिहारी डीएनए का मजाक उड़ाया था। वहीं, प्रियंका वाड्रा, जिन्होंने चरणजीत चन्नी द्वारा बिहारियों को गाली दिए जाने पर बेशर्मी से ताली बजाई थी।

आगे उन्होंने कहा कि डीएमके प्रमुख और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन पर भी निशाना साधा। जिनकी पार्टी ने बिहारियों पर को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। स्टालिन की पार्टी के नेता ने कहा था कि बिहार के लोग सिर्फ शौचालय साफ करने के लिए हैं। उन्होंने कहा कि यह कोई संयोग नहीं है। यह आरजेडी-कांग्रेस की मानसिकता है। मेहनतकश बिहारी गाली खाने के लिए निशाना बनते हैं, जबकि अवैध बांग्लादेशियों को वोट बैंक माना जाता है।

विपक्ष ने भी किया पलटवार

इस बीच, राजद नेता तेजस्वी यादव ने एनडीए पर तीखा हमला बोला है। उन्होने कहा कि एनडीए का मतलब है कि नहीं देंगे अधिकार। जनता जानती है कि वोट चोरी हो रही है, लेकिन इस बार जनता अपने वोट की रक्षा करेगी। बीजेपी-एनडीए को करारी हार मिलेगी। वहीं, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि केंद्र और बिहार की एनडीए सरकार जनता के असली मुद्दों- महंगाई, बेरोजगारी, पलायन और आर्थिक संकट को सुलझाने में विफल रही है और अब वोट चोरी की साजिश रच रही है।

'विवाद समाधान में वैश्विक मानक स्थापित कर सकते हैं भारत और सिंगापुर', अर्जुन राम मेघवाल का बयान

सिंगापुर। भारत और सिंगापुर निष्पक्ष, पारदर्शी और प्रभावी विवाद समाधान में वैश्विक मानक स्थापित कर सकते हैं। यह बात कानून और न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बुधवार को कही। भारतीय मध्यस्थता परिषद (आईसीए) की एक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मेघवाल ने कहा, भारत के मध्यस्थता कानूनों में महत्वपूर्ण सुधार और भारत अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र की स्थापना एक विश्व स्तरीय समाधान प्रणाली बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। संगोष्ठी का विषय 'भारत-सिंगापुर गलियारे में वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर) के माध्यम से बाजारों को जोड़ना और विवादों को सुलझाना' रखा गया था। इसमें करीब 150 प्रतिनिधि मौजूद थे। उन्होंने बताया कि इन पहलों के चलते भारत में मध्यस्थता की प्रक्रिया अब पहले से तेज, अधिक प्रभावी और अधिक भरोसेमंद हो गई है। उन्होंने आगे कहा, भारत और सिंगापुर दो मजबूत लोकतांत्रिक और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं हैं।

बिहार के मंत्री श्रवण कुमार पर ग्रामीणों का हमला, जान बचाकर पैदल भागना पड़ा

पटना। बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार और हिलसा विधानसभा के विधायक कृष्ण मुरारी उर्फ़ प्रेम मुखिया पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। इस हमले में एक सिपाही घायल हुआ है। जबकि मंत्री को पैदल भागना पड़ा है। इसके बाद भी ग्रामीणों ने उनका पीछा किया। हालांकि वो वहां से निकलने में कामयाब हो गए।

पिछले दिनों पटना के शाहजहांपुर थाना क्षेत्र में हुए भीषण सड़क हादसे में 9 लोगों की हुई मौत हुई थी, जिसमें इस गांव के भी लोग थे। मंत्री श्रवण कुमार पीड़ति परिवार से आज सुबह मिलने हिलसा के मलावां गांव गए थे तभी उनपर नाराज़ ग्रामीणों ने हमला बोल दिया। जिससे किसी तरह वहां से उन सभी को जान बचाकर भागना पड़ा है। फ़िलिहाल घायल सिपाही का इलाज हिलसा अनुमंडलीय अस्पताल में कराया जा रहा है। ग्रामीणों के हमले में मंत्री के बॉडीगार्ड और समर्थक घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। जबकि इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव फैल गया है। मंत्री पर हुए हमले के बाद पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

मंत्री श्रवण कुमार अपने तय कार्यक्रम के अनुसार गांव पहुंचे थे। जबकि गांव वाले भी मंत्री के इंतजार में थे। कार्यक्रम समाप्त होते ही जैसे ही मंत्री सामने आए गांव वालों ने हमला कर दिया। मंत्री को उनके सुरक्षाकर्मियों ने बचा लिया। लेकिन खुद सुरक्षाकर्मी नहीं बच पाए। ग्रामीणों के हमले में सुरक्षाकर्मी और मंत्री के समर्थक घायल हो गए। आलम ये रहा कि मंत्री पैदल ही भागे। करीब एक किलोमीटर तक पैदल भागकर ग्रामीणों से खुद को बचाया। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और वीडियो के आधार पर हमलावरों की पहचान कर रही है।

श्रवण कुमार ने ग्रामीणो द्वारा खुद को खदेड़े जाने पर कहा कि नाराज क्यों थे? ये बात तो उन्ही से पूछिए। हम तो उनके दुख में शरीक होने गए थे। कुछ लोग नाराज होंगे तो उसकी जानकारी मुझे नहीं है। मंत्री ने कहा कि बिहार में कानून का राज है बिहार में कानून के हिसाब से काम होता है हम ना किसी को फंसाते हैं ना बचाते हैं। कानून जहां-जहां इजाजत देता है वहां कार्रवाई होती है जो गलत कृत्य करेंगे कानून को ठेंगा दिखाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। चाहे विपक्ष के लोग हो या सत्ता पक्ष के लोग हो।

अशनूर कौर ने की बिग बॉस 19 में एंट्री, फैंस को कहा शुक्रिया

बिग बॉस 19 का आगाज हो चुका है। इनमें ये रिश्ता क्या कहलाता है की अदाकारा अशनूर कौर भी शामिल हैं। उन्होंने बीबी हाउस में प्रवेश किया। इंस्टाग्राम पर अशनूर की एक वीडियो क्लिप साझा की गई है, जिसमें वे प्रशंसकों का आभार जता रही हैं।

इस क्लिप में उन्होंने बिग बॉस जाने से पहले की तैयारियों की एक झलक भी दिखाई है। अशनूर कौर 'बिग बॉस 19'की सबसे युवा प्रतिभागी हैं। उन्होंने शो में प्रवेश करने के बाद इसे जीतने की इच्छा भी जाहिर की थी। अशनूर की टीम ने ये वीडियो शेयर करते हुए लिखा, आपके प्यार, दुआओं और साथ से आखिरकार अशनूर कौर ने बिग बॉस के घर में एंट्री कर ली है। जो फैंस उन्हें चार साल की नन्ही बच्ची से आज तक बढ़ते देख रहे हैं, उनके लिए यह खास मौका है, पहली बार रियलिटी टीवी पर असली अशनूर को देखने का, जो खूबसूरत, बेबाक और बहुत भावुक भी हैं। हम बेहद खुश हैं कि आप सभी इस सफर का हिस्सा बने हैं और अपने सपोर्ट से इसे और यादगार बना रहे हैं। अशनूर को चीयर करते रहिए, अपना प्यार बांटते रहिए और तैयार हो जाइए ढेर सारी नई और अनमोल यादों के लिए। अब असली रोमांच की शुरुआत होती है।

इस वीडियो में अशनूर ने ये बताया कि जब तक वो ये वीडियो देखेंगे तब तक वह शो में प्रवेश कर चुकी होंगी। साथ ही उन्होंने फैंस को इतना सारा प्यार और सपोर्ट देने के लिए धन्यवाद भी कहा है। यह वीडियो उन्होंने बिग बॉस हाउस में जाने से पहले बनाया था।

अशनूर कौर ने अपना करियर छोटी उम्र में ही शुरू कर दिया था। उन्होंने 2009 में ऐतिहासिक टीवी सीरियल झांसी की रानी से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वो साथ निभाना साथिया, शोभा सोमनाथ की, ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा, और बड़े अच्छे लगते हैं जैसे सीरियल्स में काम कर चुकी हैं।

'बिग बॉस' में आने से पहले उन्होंने 'सुमन इंदौरी' टीवी सीरियल में मुख्य अभिनेत्री के किरदार में लोगों को खूब पसंद आई थीं। इस सीरियल में अशनूर के साथ टीवी की मशहूर एक्ट्रेस अनीता हसनंदानी भी नजर आई थीं।

'बिग बॉस 19' का प्रीमियर जियो सिनेमा और कलर्स टीवी पर हो चुका है। जियो सिनेमा पर टीवी से 90 मिनट पहले ही सारे एपिसोड टेलिकास्ट किए जाएंगे। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान 16वीं बार इस शो की मेजबानी कर रहे हैं।

एटीवी राइड पर निकलीं मोनालिसा, बोलीं- क्या फन है

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री मोनालिसा अक्सर अपनी सोशल मीडिया पोस्ट्स के जरिए फैंस से जुड़ी रहती हैं। उनकी हर नई तस्वीर या वीडियो में उनका अलग और आकर्षक अंदाज देखने को मिलता है, जो लोगों का ध्यान तुरंत खींच लेता है। इस बार उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ नई और दिलचस्प पोस्ट्स शेयर की हैं, जिनमें उनका अनोखा लुक और मस्ती भरा अंदाज साफ नजर आ रहा है।

मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए हैं, जिसमें फैंस को उनका बेहद अलग और मजेदार अंदाज देखने को मिला। वीडियो में वह येलो कलर की एक दमदार ऑल-टेरेन व्हीकल (एटीवी) चलाते हुए नजर आ रही हैं। उनके चेहरे पर जोश और मस्ती साफ झलक रही है, जिससे साफ पता चलता है कि वह इस एडवेंचर को कितना एन्जॉय कर रही हैं। उनके कपड़ों की बात करें तो उन्होंने ब्लैक कलर की स्लीवलेस ड्रेस पहन रखी है, जो उनके लुक को स्टाइलिश बना रही है। उनके चेहरे पर प्यारी मुस्कान साफ दिख रही है।

कुछ अन्य तस्वीरों में भी वह ब्लैक ड्रेस में नजर आ रही हैं, जिसमें उन्होंने अपने बालों की दो चोटियां बनाई हुई हैं। साथ ही पिंक कलर की चप्पलें उनके कूल लुक को और भी निखार रही हैं। इस अनोखे लुक में मोनालिसा बेहद खूबसूरत लग रही हैं।

पोस्ट के साथ मोनालिसा ने कैप्शन में लिखा है, क्या फन है!

इस पोस्ट पर उनके फैंस जमकर कमेंट्स कर रहे हैं।

एक फैन ने लिखा, एटीवी चला रही हैं आप? फुल ऑन झकास फोटो। दूसरे फैन ने लिखा, आपको देखकर मेरा भी बाहर घूमने और मजा करने का मन कर रहा है।

अन्य फैन ने लिखा, ब्लैक ड्रेस में सुंदर लग रही हो आप, और दो चोटियों में तो आप बच्ची जैसी दिख रही हो।

कुछ फैंस ने कहा कि मोनालिसा ने अपनी अंदाज और स्टाइल से एक बार फिर साबित कर दिया कि वह हर रूप में खूबसूरत और आकर्षक लगती हैं।

वरुण धवन और जाह्नवी कपूर की फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का मोशन पोस्टर जारी, 28 अगस्त को रिलीज होगा टीजर

जब से फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का ऐलान हुआ है, प्रशंसकों का उत्साह सातवें आसमान पर है। इस फिल्म का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म होने वाला है। इस फिल्म के हीरो वरुण धवन हैं और इसमें उनकी जोड़ी जाह्नवी कपूर के साथ बनी है। अब सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का मोशन पोस्टर सामने आ गया है, जिसमें वरुण और जाह्नवी समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है।

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का टीजर आगामी 28 अगस्त को रिलीज होने वाला है, जबकि यह फिल्म गांधी जयंती और दशहरा के खास मौके पर यानी 2 अक्टूबर, 2025 को दर्शकों के बीच आएगी। धर्मा प्रोडक्शंस ने टीजर साझा करते हुए लिखा, मंडप सजेगा, महफिल जमेगी... पर सनी और तुलसी की एंट्री, सारी स्क्रिप्ट बदल देगी। शशांक खेतान के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में सान्या मल्होत्रा, मनीष पॉल और रोहित सराफ भी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

बता दें, फिल्म की रिलीज डेट पर कई बार बदलाव किए गए हैं। शशांक खेतान के निर्देशन में बनी फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में एक बार फिर वरुण और जान्हवी स्क्रीन स्पेस शेयर करते नजर आएंगे। इससे पहले दोनों ने साल 2023 में आई फिल्म बवाल में साथ काम किया था।

फिल्म में अक्षय, जाह्नवी और वरुण के अलावा अक्षय ओबेरॉय, रोहित सराफ, सान्या मल्होत्रा और मनीष पॉल भी अहम किरदार में हैं।

दिलचस्प बात यह है कि सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी अब बॉक्स ऑफिस पर कांतारा: अ लीजेंड - चैप्टर 1 और हर्षवर्धन राणे की अभिनीत फिल्म एक दीवाने की दीवानियत से टक्कर लेगी।

इस बीच, जान्हवी कपूर भी 29 अगस्त को सिनेमाघरों में आने वाली परम सुंदरी की रिलीज की तैयारी कर रही हैं। दूसरी ओर, वरुण धवन फिल्म बॉर्डर 2 में नजर आएंगे।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालयः S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website : aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्कः 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com